पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

जैकलीन फर्नांडीज को SC से राहत नहीं

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 45 ■ अंक : 169 ■ मंगलवार 23 सितंबर 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play | Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel | Subscribe

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

नवरात्रि उत्सव के लिए पुलिस मुस्तैद

■ **800 पुलिस बल तैनात**

■ **सादे कपड़ों में रहेंगी महिला पुलिस**

उल्हासनगर. नवरात्रि उत्सव के रंगारंग माहौल में नागरिकों की सुरक्षा पुलिस की प्राथमिकता बन गई है। ज़ोन 4 में, पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे के नेतृत्व में 800 पुलिसकर्मियों का सुसज्जित बल, अत्याधुनिक तकनीक से लैस ड्रोन और सीसीटीवी निगरानी के साथ-साथ सादे कपड़ों में महिला पुलिस जैसी बहुआयामी रणनीति के साथ नवरात्रि के दौरान सुरक्षा का अभेद्य कवच तैयार किया जा रहा है।

नवरात्रि उत्सव उल्हासनगर के नागरिकों के लिए न केवल धार्मिक बल्कि सांस्कृतिक एकता का प्रतीक माना जाता है। इस दौरान, हजारों नागरिक देवी की पूजा करते हैं और युवा गरबा की लय पर नृत्य करते हैं। इस भीड़ भरे उत्सव के दौरान नागरिकों की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है और इस वर्ष, ज़ोन 4 पुलिस ने इसके लिए बहुआयामी तैयारियाँ की हैं। पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, नवरात्रि उत्सव के दौरान सुरक्षा के लिए कुल 800 पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। उल्लेखनीय है कि इसमें महिला पुलिसकर्मी बड़े पैमाने पर भाग लेंगी। शहर में विभिन्न स्थानों पर स्थापित 150 गरबा मंडलों को अनुमति दे दी गई है और इन मंडलों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

सादे कपड़ों में महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती

भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने तकनीकी साधनों की मदद ली है। मंडप और गरबा आयोजनों पर ड्रोन कैमरों से नज़र रखी जाएगी और कुछ ड्रोन विशेष रूप से किराए पर लिए गए हैं। इसके अलावा, मंडप क्षेत्र में कड़ी निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएँगे। महिलाओं की सुरक्षा

को प्राथमिकता देते हुए सादे कपड़ों में महिला पुलिसकर्मियों की नियुक्ति की गई है। भीड़ में महिलाओं से संबंधित किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, अवांछित व्यवहार या किसी भी शिकायत पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। ताकि नागरिक, विशेषकर महिलाएं, बिना किसी झिझक के त्योहार का आनंद ले सकें।

ड्रोन और सीसीटीवी से निगरानी

नवरात्रि शहर में एकता और खुशी का त्योहार है। पुलिस ने एक व्यापक सुरक्षा योजना तैयार की है ताकि नागरिक बिना किसी झिझक के त्योहार मना सकें। हम 800 पुलिसकर्मियों की तैनाती, ड्रोन और सीसीटीवी से निगरानी और सादे कपड़ों में महिला पुलिसकर्मियों की नियुक्ति करके हर स्थिति पर नज़र रखेंगे। भीड़ नियंत्रण, महिलाओं की सुरक्षा और अनुशासन बनाए रखना हमारा मुख्य लक्ष्य है। नागरिक बिना किसी भय और निश्चिंतता के त्योहार का आनंद लें। सुरक्षित वातावरण बनाना हमारी ज़िम्मेदारी है और हम इसे अपनी पूरी क्षमता से निभाएँगे।

– **सचिन गोरे** (पुलिस उपायुक्त)

यातायात बाधित करने के आरोप में मंडल के खिलाफ मामला दर्ज

उल्हासनगर. उल्हासनगर में देवी दुर्गा की प्रतिमा के आगमन जुलूस के कारण भक्ति का उत्साह चरम पर था। ढोल-नगाड़ों और पटाखों की धूम से शहर भक्तिमय माहौल में डूबा हुआ था; हालाँकि, इस जुलूस का शहर के यातायात पर भी असर पड़ा। उल्हासनगर शहर में लगभग तीन घंटे तक यातायात पूरी तरह से अवरुद्ध रहा। इसके कारण आम नागरिकों, कर्मचारियों, छात्रों, एम्बुलेंस जैसे कई लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इसलिए, पुलिस ने आखिरकार कार्रवाई करते हुए सागर उटवाल फाउंडेशन के अध्यक्ष सागर उटवाल के खिलाफ यातायात बाधित करने का मामला दर्ज किया है।

शनिवार 19) को उल्हासनगर शहर के गोल मैदान से शाम 6:30 बजे शुरू हुआ जुलूस देर रात तक जारी रहा। मूर्ति के स्वागत के लिए सजे-धजे वाहन, बड़ी संख्या में श्रद्धालु, ढोल-नगाड़ों और पटाखों की धुन ने शहर की मुख्य सड़कों पर यातायात पूरी तरह ठप कर दिया। पुलिस कांस्टेबल बाबासाहेब पोटे ने उल्हासनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। इसके आधार पर सागर उटवाल फाउंडेशन के अध्यक्ष सागर उटवाल और बोर्ड के पदाधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

बुवापाड़ा के पास करंट लगने से 2 भैंसों की मौत

■ **पूर्व नगरसेवक ने महावितरण से की हर्जाना देने की मांग**

अंबरनाथ. अंबरनाथ में महावितरण के खुले बिजली के तारों की चपेट में आने से बुवापाड़ा सायकल कंपनी के पास दो भैंसों की मौत हो गई है. ये घटना रविवार शाम की है. शहर पुलिस ने पंचनामा किया है. पूर्व नगरसेवक सुरेंद्र यादव ने महावितरण के अधिकारियों से भैंस के मालिक को दो लाख रुपए हर्जाना देने को कहा है.

उन्होंने बताया कि बुवापाड़ा निवासी बेताल यादव के भाई (जिनकी 6 माह पहले मौत हो गई है) की ये भैंसे थीं. इन भैंसों पर मृतक का परिवार अपनी रोजी रोट चला रहे थे. उनका लड़का रविवार की शाम में सायकल कंपनी सर्विस रोड के पास से भैंसों को चराकर घर की ओर ले जा रहा था कि महावितरण द्वारा खुले छोड़ दिए गए बिजली के तारों से भैंसों को जोरदार करंट लगने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई. दोनों भैंसों ने कुछ ही दिनों पूर्व दो बच्चों को जन्म दिया था. परिवार के साथ दोनों भैंस के बच्चे कैसे जीवित रहेंगे, ऐसा प्रश्न यहां के निवासी उठा रहे हैं.

यहां से रोजाना एमआईडीसी के सैकड़ों मजदूर काम पर आते-जाते हैं. सायकल कंपनी के गेट नं. 2 के सामने एक लाइट का पैनल बॉक्स भी खुला पड़ा है. भैंस चरा रहे लड़के की जान भी बच गई है. सुरेंद्र यादव ने महावितरण की लापरवाही पर अधिकारियों से दो लाख रुपए हर्जाना अदा करने को कहा है.

विदित हो कि पिछले दिनों जावसई गांव में मजीप्रा के खुले दो बड़े वॉल्व के ऊपर एक गाभन गाय के गिर जाने से एवं वॉल्व का नोंक गाय के पेट में चले जाने से गाभन गाय की मौत हो गई थी. पत्रकार सुनिल अहिरे ने महावितरण के अधिकारियों पर कार्रवाई करने की मांग जलापूर्ति मंत्री से की है. सरकारी यंत्रणा अधिकारियों की लापरवाही से इन 20 दिनों के भीतर एक गाय एवं दो भैंसों की मौत हो गई है.

मुंब्रा में ट्रक से कुचल कर तीन की मौत

ठाणे. मुंब्रा बाईपास पर सोमवार को अपरान्ह लगभग तीन बजे एक ट्रक ने दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी. जिससे दोपहिया पर सवार तीन युवक ट्रक के पहिया के नीचे आ गए. इस दुर्घटना में तीनों की मौत हो गई.घटना के बाद ट्रक चालक फरार हो गया. तीनों युवक मुंब्रा के गांव देवी इलाके के थे. इसको लेकर पूरे इलाके में शोक व्यक्त है और लोग इस घटना को लेकर आक्रोश व्यक्त कर रहे हैं. बताया गया कि मुंब्रा के गांव देवी इलाके के निवासी अफजल सकुर शेख , मोइनुद्दीन मोहम्मद खुशी शेख एवं हसन अकरम शेख तीनों युवक दोपहिया वाहन से मुंब्रा बाईपास पर शीलफाटा की ओर जा रहे थे.

अंबरनाथ के एक किलोमीटर के सफर में लग रहे हैं घंटों

■ **अधूरे सड़क से बढ़ा जाम**

अंबरनाथ. अंबरनाथ शहर के प्रवेशद्वार से होकर गुजरने वाले कटाई अंबरनाथ राज्य राजमार्ग पर आनंदनगर से टी जंक्शन तक एक किलोमीटर के हिस्से में, मात्र कुछ मीटर सड़क निर्माण के कारण दो जगहों पर घंटों जाम लगा रहता है। पिंक सिटी की ओर मुड़ने से कुछ ही फीट की दूरी पर गड्ढे हैं। आगे, टी जंक्शन चौराहे पर भी यही हाल है. इस वजह से यहाँ वाहनों का जाम लग जाता है। नतीजतन, कटाई और बदलापुर से आने वाला यातायात अवरुद्ध हो जाता है। इसका असर कल्याण बदलापुर राज्य राजमार्ग पर भी पड़ रहा है।

कटाई अंबरनाथ सड़क के कंक्रीटिंग और चौड़ीकरण का काम लगभग पूरा हो चुका है। इस सड़क के कंक्रीटिंग के कारण इस वर्ष इस मार्ग पर यात्रा में तेजी आई है। पिछले कुछ वर्षों में जहाँ जाम लगता था, वह इलाका साफ हो गया है। यात्रा की गति बढ़ने से यात्रियों की परेशानी भी कम हुई है। इससे वाहन चालकों को कुछ राहत मिल रही है। हालाँकि, इस मार्ग पर अभी भी कुछ अड़चनें हैं। इनमें नेवाली नाका सबसे ज़्यादा जाम वाला इलाका है और यहाँ फ्लाईओवर का निर्माण अभी बाकी है। हालाँकि, अंबरनाथ के टी-जंक्शन तक कुछ हिस्सों में कंक्रीट का काम हो चुका है। इस वजह से इस इलाके में यातायात की भीड़ बढ़ गई है।

कटाई मार्ग पर दो बड़े औद्योगिक क्षेत्र....

इस कटाई मार्ग पर दो बड़े औद्योगिक क्षेत्र हैं। एक तरफ औद्योगिक क्षेत्र और दूसरी तरफ शहरी बस्तियाँ। इस वजह से इस मार्ग पर भारी यातायात रहता है। मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, डोंबिवली, कल्याण, तलोजा, पनवेल, पुणे हाईवे, अटल सेतु जैसे शहरों को इसी रास्ते से होकर गुज़रना पड़ता है। इस वजह से यहाँ भारी यातायात रहता है। इसके अलावा, अंबरनाथ में गुलाबी नगर की ओर जाने वाली सड़क से कुछ दूरी पर दोनों लेन पर कंक्रीट का काम अधूरा है। इस वजह से यहाँ बड़ी संख्या में गड्ढे बन गए हैं। शाम के समय यहाँ भीषण जाम लग गया। शनिवार को इस इलाके में अभूतपूर्व जाम लगा था। सोमवार को भी कुछ देर के लिए वाहन जाम में फंसे रहे। इसके अलावा, टी-जंक्शन क्षेत्र गड्ढों से भरा हुआ है। इस वजह से बदलापुर से आने वाला और फॉरेस्ट नाका जाने वाला और कटाई से आने वाला और बदलापुर जाने वाला यातायात यहाँ धीमा हो जाता है। इस वजह से दोनों दिशाओं में वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। इस वजह से मात्र दो मिनट की दूरी तय करने में आधे से एक घंटे का समय लग जाता है। इसी वजह से इन गड्ढों को भरने की माँग की जा रही है।

‘शहद’ का नाम बदलकर किया शहाड

■ **मनसे की चेतावनी के बाद रेलवे ने बदला बोर्ड**

■ **शहद हिन्दी शब्द का मनसे ने किया था विरोध**

■ **मनसे सुप्रीमो राज ठाकरे ने स्वयं उठाया था ऐतराज**

उल्हासनगर। शहाड रेलवे स्टेशन पर लिखे शब्द ‘शहद’ को बदलकर अब शहाड कर दिया गया है. मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे ने इसके खिलाफ आवाज उठाई थी और मनसे ने रेल प्रशासन को नाम बदलने की चेतावनी दी थी. जिसके बाद रेल प्रशासन आनन-फानन ने शहाड स्टेशन पर लिख ‘शहद’ को बदलकर ‘शहाड’ कर दिया गया है.

विदित हो कि अंबरनाथ दौरे से लौटते समय, मनसे प्रमुख राज ठाकरे का काफिला शहाड़ रेलवे स्टेशन के पास रुका। स्थानीय कार्यकर्ताओं ने राज ठाकरे का गर्मजोशी से स्वागत किया। हालाँकि, इसी दौरान राज ठाकरे को स्टेशन के बाहर लगे बोर्ड पर एक बड़ी गलती नज़र आई।

शहाड रेलवे स्टेशन के बाहर लगे बोर्ड पर 'शहाड', 'शहद' और 'शहद' शब्द लिखा देखकर मनसे प्रमुख राज ठाकरे अपने पदाधिकारियों पर भड़क गए। उन्होंने साफ शब्दों में कहा, शहर की पहचान से खिलवाड़ करने वाली इस गंभीर गलती को तुरंत सुधारा जाना चाहिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं को तुरंत लिखित निवेदन देने का निर्देश दिया। स्थानीय मनसे अध्यक्ष संजय घुगे ने कहा कि यह रेल प्रशासन की लापरवाही है। अब इस अल्टीमेटम के बाद कि रेलवे बोर्ड ने इस गलती को सुधारा है।

नागरिकों में चर्चा

इसके बाद मनसे पदाधिकारियों ने शहाड स्टेशन का दौरा किया और रेलवे अधिकारियों से मुलाकात की। इस घटना के बाद स्थानीय नागरिकों में भी चर्चा का विषय बना हुआ है। कई लोगों ने अपना रोष व्यक्त करते हुए कहा कि शहर की ऐतिहासिक पहचान को धूमिल करने वाली यह गलती शर्मनाक थी. जब शहाड़ नाम भूगोल, इतिहास और संस्कृति से जुड़ा है, तो उसे 'शहद' दिखाना रेलवे प्रशासन की लापरवाही का प्रतीक है।

एक्सीलैंट किडवर्ल्ड प्ले स्कूल में मनसे का हंगामा

■ **मासूम बच्ची को शिक्षिका ने पीटा**

■ **विठ्ठलवाड़ी पुलिस ने की कार्रवाई**

■ **कुर्ला कैम्प में स्थित है स्कूल**

■ **बच्ची के माता-पिता ने की शिकायत**

उल्हासनगर. उल्हासनगर 4 के एक्सीलेंट किडवर्ल्ड प्ले स्कूल में शिक्षिका द्वारा ढाई साल के बच्चे की पिटाई की चौंकाने वाली घटना से सोशल मीडिया में रोष का माहौल है। इस तरह का रोष मनसे ने भी प्रकट कर स्कूल में जाकर हंगामा किया और स्कूल निदेशक के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की। इस दौरान मनसे ने स्कूल के बाहर लगे बैनर को भी फाड़ दिया। बच्ची अंग्रेजी की कविता नहीं सुना पाई, जिस वजह से शिक्षिका ने मासूम बच्ची को पीटा। यह घटना मोबाइल कैमरे में कैद हो गई, जिससे सोशल मीडिया पर हड़कंप मच गया। अभिभावकों ने विठ्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है और पुलिस जांच कर रही है। इस मामले को लेकर रोष में आकर मनसे कार्यकर्ताओं ने स्कूल पर हमला किया और स्कूल निदेशक के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की। इस दौरान मनसे कार्यकर्ताओं ने स्कूल के बाहर लगे बैनर को फाड़ दिया, जिससे इलाके में तनाव का माहौल बन गया, लेकिन पुलिस ने बीच-बचाव कर स्थिति को शांत कराया। मनसे पदाधिकारियों ने वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कोली को बयान दिया और स्कूल निदेशक के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की। मनसे ने यह भी मांग की कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सभी प्ले स्कूलों में सीसीटीवी लगाए जाएं, अभिभावकों को इसकी सुविधा दी जाए तथा शिक्षकों का मानसिक परीक्षण और पुलिस सत्यापन अनिवार्य किया जाए।

उल्हासनगर-अंबरनाथ में सिग्नल सिस्टम ठप

■ **करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद ट्रैफिक जाम बरकरार**

उल्हासनगर. पिछले कुछ महीनों से अंबरनाथ और उल्हासनगर के कई व्यस्त चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल सिस्टम लगातार खराब हो रहे हैं। इससे ट्रैफिक जाम की समस्या बढ़ गई है और नागरिकों को अनियंत्रित वाहन चालकों से जूझना पड़ रहा है। इस बात पर रोष व्यक्त किया जा रहा है कि इन सिग्नल सिस्टम पर करोड़ों रुपये खर्च करने के बावजूद इनका उपयोग नहीं हो रहा है।

कल्याण और बदलापुर के बीच पिछले कुछ वर्षों में आबादी और वाहनों की संख्या में तेज़ी से वृद्धि हुई है। इस वजह से इस क्षेत्र की सड़कें वर्तमान में वाहनों से भरी रहती हैं। चौराहों पर लगने वाले ट्रैफिक जाम को देखते हुए एक साल पहले दोनों शहरों से गुजरने वाले कल्याण-बदलापुर स्टेट हाईवे पर सिग्नल सिस्टम लगाया गया था। अंबरनाथ नगर निगम ने कल्याण-बदलापुर हाईवे के अलावा शहर के भीतर स्वामी समर्थ चौक और गोविंदपुल बाईपास रोड पर भी यह सिस्टम लगाया था। शुरुआत में, इन सिग्नलों ने यातायात में अनुशासन लाया और कई चौराहों पर भीड़भाड़ कम की। हालाँकि, कुछ दिनों बाद ही यह व्यवस्था बार-बार खराब होने लगी है।

कल्याण-बदलापुर मार्ग पर उल्हासनगर के साईंबाबा मंदिर चौक और 17 सेक्शन के सिग्नल, साथ ही अंबरनाथ के स्वामी समर्थ चौक और बाहरी मोड रोड के सिग्नल बार-बार खराब हो रहे हैं। यहाँ अक्सर केवल पीली बत्तियाँ ही जलती हैं। इससे वाहन चालकों में भ्रम की स्थिति पैदा होती है।

सूत्रों ने बताया कि इन सिग्नल प्रणालियों पर करोड़ों रुपये खर्च करने के बावजूद, तकनीकी समस्याओं और रखरखाव व मरम्मत के अभाव में ये खराब हो रही हैं। जब नगर पालिका और परिवहन विभाग से इस समस्या के बारे में पूछा गया, तो दोनों विभाग एक-दूसरे पर उंगली उठाकर ज़िम्मेदारी से बच रहे हैं। इससे नागरिकों और वाहन चालकों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है, और व्यवस्थाओं की इस गैरज़िम्मेदारी पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की जा रही है।

बेकाबू लोगों को कौन रोकेगा

चाहे सिग्नल बंद हो या वैन चालू, चालक अक्सर बेकाबू व्यवहार करते हैं। इससे जाम लग जाता है। ऐसे में इन वाहन चालकों पर कार्रवाई की कोई व्यवस्था नहीं है। ऐसे में सवाल उठता है कि इन बदतमीज़ों पर रोक कौन लगाएगा। फॉरेस्ट नाका से लेकर टी जंक्शन, टी जंक्शन से लेकर आनंदनगर प्रवेश द्वार तक, बीच सड़क पर ट्रैफिक पुलिस वाहनों की चेकिंग करती नज़र आती है। लेकिन, इसी दौरान टी जंक्शन और आनंदनगर प्रवेश द्वार दोनों जगहों पर जाम की स्थिति बनी रहती है। इससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवालिया निशान लग रहा है।

ई-केवाईसी में गड़बड़ी, लिंक सर्वर डाउन, ओटीपी गायब

लाड़ली बहनों को आ रही तकनीकी समस्याएँ

उल्हासनगर. हालाँकि राज्य सरकार ने लाड़ली बहन योजना के लाभों के लिए ई-केवाईसी अनिवार्य कर दिया है, लेकिन यह प्रक्रिया महिलाओं के लिए काफी परेशानी का सबब बन रही है। हालाँकि दो महीने की समय सीमा देते हुए एक सरकारी निर्णय जारी किया गया था, लेकिन लिंक न खुलने, आधिकारिक वेबसाइट पर बार-बार त्रुटियाँ आने और ओटीपी न मिलने जैसी तकनीकी समस्याओं के कारण बहनों को काफी परेशानी हो रही है। शहरी क्षेत्रों में भी यह समस्या गंभीर है, और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी बदतर है। जो महिलाएं पढ़-लिख नहीं सकतीं, उन्हें दूसरों से ई-केवाईसी करवानी पड़ती है। हालाँकि, इसमें भी बाधाएँ हैं।

राज्य सरकार ने राज्य में महिलाओं के लिए लागू की जा रही लड़की बहन योजना के लाभों के लिए ई-केवाईसी अनिवार्य कर दिया है। इसके लिए दो महीने की समय सीमा घोषित करते हुए एक सरकारी निर्णय जारी किया गया था। उसके बाद, महिलाओं द्वारा ई-केवाईसी की प्रक्रिया बड़े पैमाने पर शुरू हो गई। हालाँकि, वास्तव में, यह प्रक्रिया सुचारू रूप से नहीं चल रही है और महिलाओं को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

उल्हासनगर शहर की महिलाओं का कहना है कि लड़की बहन योजना की आधिकारिक वेबसाइट पर बार-बार त्रुटियाँ दिखाई दे रही हैं। कभी लिंक नहीं खुलता तो कभी मोबाइल पर ओटीपी नहीं आता। इस वजह से ऑनलाइन प्रक्रिया अधूरी रह जाती है। शहरी इलाकों में जहाँ मोबाइल और इंटरनेट की सुविधा आसानी से उपलब्ध है, वहाँ महिलाओं को इन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जबकि ग्रामीण इलाकों में स्थिति और भी कठिन है।

योजना लाभार्थियों में असंतोष की बार-बार तस्वीर

चूँकि ग्रामीण इलाकों में कई महिलाएं पढ़-लिख नहीं सकतीं, इसलिए उन्हें दूसरों की मदद से ई-केवाईसी करवानी पड़ती है। हालाँकि, चूँकि उनकी मदद करने वालों को भी तकनीकी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, इसलिए पूरी प्रक्रिया रुकी हुई है। इस समस्या के कारण योजना लाभार्थियों में नाराजगी व्यक्त की जा रही है, और सरकार व संबंधित विभाग से तत्काल संज्ञान लेकर तकनीकी बाधाओं को दूर करने की माँग की जा रही है। उम्मीद है कि प्यारी बहनों के लिए शुरू की जा रही यह योजना महिलाओं के लिए राहत भरी साबित होगी। हालाँकि, ई-केवाईसी में तकनीकी दिक्कतों के कारण लाभार्थियों को असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। नागरिकों ने सरकार से तत्काल तकनीकी सुधार करने की माँग की है।

घातक शस्त्र के साथ 2 पकड़े गए

■ **गांधी नगर बनता जा रहा क्राइम का अड्डा**

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम का गांधीनगर फिर एक बार सुर्खियों में आ गया है. दो दिनों पूर्व एमडी ड्रग्स के साथ पति-पत्नी को पुलिस द्वारा पकड़े जाने के बाद यहां के दो निवासियों को शहर पुलिस ने घातक प्राण लेने वाले शस्त्र के साथ पकड़ा है. पुलिस ने अझरूद्दीन रफीक शेख को लोहे के छुरे के साथ एवं मोहम्मद फारुख अली खान (35) को लोहे के कोयते के साथ पकड़ा है. अझरुद्दीन को 20 सितंबर को रात 8.10 बजे डीएमसी कंपनी के पिछले सुनसान रास्ते से रंगे हाथों पकड़ा है, तो फारुख खान को रात 11.15 बजे डीएमसी गेट के पास बॉरेक्स कंपनी के पास से लोहे के कोयते के साथ पकड़ा है. ये दोनों शहर पश्चिम में बैंक आफ बड़ौदा के पीछे भगत सिंह नगर निवासी है. डीएमसी सड़क रात 8 बजे के बाद एकदम सुनसान हो जाती है. एक दो लोग ही यहां से आते-जाते हैं. ये दोनों कहीं किसी को शस्त्र का धाक बताकर लूटने की फिराक में तो नहीं थे, इसकी जांच पुलिस कर रही है. शस्त्र अधिनियम 1959 के कलम एवं पुलिस अधिनियम 1951 कलम के अनुसार दोनों को गिरफ्तार किया गया है. सहायक पुलिस निरीक्षक अविनाश गायकवाड़ मामले की जांच कर रहे हैं. अविनाश गायकवाड़ ने हमें बताया कि दो दिनों पूर्व एमडी ड्रग्स के साथ पकड़े गए आसिया शरीफ शेख और शरीफ सलीम शेख को न्यायालय में पेश करके दो दिन के रिमांड पर ले लिया गया है.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

भारत के सामने क्या हैं चुनौतियां

मणिपुर में कुछ दिनों की शांति के बाद हिंसक घटनाओं को फिर से हवा देने के प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य में कुकी जो संगठनों और केंद्र सरकार के बीच पिछले दिनों हुए समझौते तथा उसके बाद प्रधानमंत्री के मणिपुर दौरे के बाद से उम्मीद की जा रही थी कि अब सब कुछ ठीक हो जाएगा। मगर, शुक्रवार शाम को राज्य के बिष्णुपुर जिले में असम राइफल्स के वाहन पर घात लगाकर किए गए हमले में दो जवान शहीद हो गए और पांच अन्य घायल हो गए।

हालांकि, इस हमले की किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन माना जा रहा है कि इसके पीछे किसी उग्रवादी संगठन का हाथ हो सकता है। यानी यह घटना राज्य में आपसी संघर्ष के मसले से हटकर क्षेत्र में शांति भंग करने की साजिश हो सकती है। यह आशंका इसलिए भी स्वाभाविक लगती है, क्योंकि इस हमले के विरोध में स्थानीय लोग सड़कों पर उतर आए। इससे साफ है कि अब वे क्षेत्र में किसी तरह की हिंसा नहीं चाहते और शांति कायम रखने के हिमायती हैं।

इसमें दोराय नहीं कि मणिपुर के लोगों की मूल समस्याओं का समय पर निपटारा न होने से वहां जातीय हिंसा भड़की और इसका असर आम लोगों के जीवन पर भी पड़ा। कई लोगों को अपना घर-बार छोड़कर शिविरों में शरण लेनी पड़ी और कुछ लोगों को अपनी जान तक गंवानी पड़ी। यह भी सच है कि हिंसक घटनाओं के बाद सरकार ने राज्य में शांति बहाली को लेकर कई कदम उठाए। पिछले दिनों कुकी जो समुदाय से संबंधित दो संगठनों के साथ शांति समझौता और उसके बाद प्रधानमंत्री का मणिपुर दौरा इन्हीं प्रयासों की कड़ी का एक हिस्सा है।

इससे पहले कुकी-जो और मैतेई समुदायों की ओर से आई प्रतिक्रिया से हालात सामान्य होने के संकेत मिले थे। मगर, अब अचानक सुरक्षाबल के वाहन पर हुए घातक हमले ने फिर से चिंता बढ़ा दी है। हालांकि राहत की बात यह है कि स्थानीय लोग इस हमले का कड़ा विरोध कर रहे हैं। ऐसे में सरकार को सुनिश्चित करना होगा कि इस तरह के हमलों की पुनरावृत्ति न हो और राज्य के लोगों का शासन-प्रशासन पर भरोसा कायम रहे।

हमें तकनीकी दक्ष लोगों की उपलब्धता बनाए रखनी होगी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1बी वीजा शुल्क को बढ़ाकर एक लाख डालर यानी करीब 88 लाख रुपये कर दिया है। हालांकि यह नया नियम केवल नए वीजा आवेदकों पर ही लागू होगा। यह कोई वार्षिक शुल्क नहीं है। जिन लोगों के पास पहले से ही एच-1बी वीजा है और जो इस समय अमेरिका से बाहर हैं, उनसे पुनः प्रवेश के लिए शुल्क नहीं लिया जाएगा। जहां ट्रंप ने इस फैसले का बचाव अमेरिकी नौकरियों की सुरक्षा के लिए एक उपाय बताते हुए किया है।

साथ ही तर्क दिया है कि आउटसोर्सिंग कंपनियों ने इस कार्यक्रम का इस्तेमाल अमेरिकी कर्मचारियों की जगह सस्ते विदेशी कर्मचारियों को नियुक्त करने के लिए किया है। वहीं कई अमेरिकी सांसदों और सामुदायिक नेताओं ने ट्रंप के इस फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण और निरर्थक बताते हुए कहा है कि इससे अमेरिकी आईटी उद्योग पर बहुत नकारात्मक असर पड़ेगा। यह अमेरिका को उच्चकोटि के कुशल कामगारों से वंचित करने वाला फैसला है। अमेरिका हर साल 65,000 एच-1बी वीजा और 20,000 अतिरिक्त वीजा देता है।

इनमें से लगभग 70 प्रतिशत वीजा भारतीयों को मिलते हैं। एमेजोन, माइक्रोसाफ्ट और मेटा जैसी कंपनियों के हजारों कर्मचारी एच-1बी पर वहां काम करते हैं। वहीं कई भारतीय कंपनियां जैसे इन्फोसिस, टीसीएस, विप्रो, एचसीएल और काग्निजेंट भी अमेरिका में काम करने के लिए इसी वीजा पर काफी निर्भर हैं। ऐसे में कुशल कामगारों को नियुक्त करने वाली छोटी कंपनियां और स्टार्टअप्स ट्रंप के फैसले से मुश्किल में आ जाएंगे। वीजा शुल्क में इस बदलाव से अमेरिका में भारतीय आईटी इंजीनियरों की नौकरियों पर भी खतरा बढ़ेगा।

निश्चित रूप से ट्रंप का यह फैसला भारत के आईटी क्षेत्र और भारतीय प्रतिभाओं के लिए एक आपदा की तरह है, लेकिन यह कई मायनों में अवसर भी बन सकता है। ऐसे आसार हैं कि भारी वीजा शुल्क से अमेरिकी कंपनियां अपनी नौकरियां विदेश यानी भारत जैसे देशों में शिफ्ट करने पर मजबूर हो जाएंगी। ऐसा होने पर ट्रंप की यह नीति अमेरिका के बजाय भारत और दूसरे देशों के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। भारत में बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) की स्थापना भी की जा सकती है और इसमें भारत की प्रतिभाओं को अधिक मौके मिलेंगे। जीसीसी जाब मार्केट में नया चलन है।

यह आईटी सपोर्ट, कस्टमर सर्विस, फाइनेंस, एचआर और रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर ध्यान केंद्रित करती हैं। हाईस्किल युवाओं के होने के कारण भारत जीसीसी के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा हब बनता हुआ दिखा रहा है। दुनिया के 50 प्रतिशत जीसीसी सिर्फ भारत में हैं। अभी देश में 1700 जीसीसी हैं जिनसे 20 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिल रहा है। देश में जीसीसी बाजार का आकार 5.4 लाख करोड़ रुपये का है। 2030 तक इसके 8.4 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है। भारतीय जीडीपी में भारत के जीसीसी का योगदान एक प्रतिशत है और 2030 तक यह 3.5 प्रतिशत हो जाएगा।

एच-1बी वीजा शुल्क बढ़ने से दुनिया की प्रतिभाएं अमेरिका नहीं जा पाएंगी। इससे वहां इनोवेशन भी घट सकती है और भारत के इनोवेशन में नई जान आ सकती है। उम्मीद है पेटेंट, इनोवेशन और स्टार्टअप्स की अगली लहर भारत में तेजी से बढ़ेगी। भारत की प्रतिभाओं के भारत में ही रहने से भारत में शोध एवं विकास की स्थिति मजबूत होगी। ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स (जीआईआई), 2024 में भारत अभी 39वें स्थान पर है। विश्व बौद्धिक संपदा संकेतक रिपोर्ट, 2024 के मुताबिक भारत ने तीन प्रमुख बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपी)-पेटेंट, ट्रेडमार्क और औद्योगिक डिजाइनों के लिए विश्व के शीर्ष 10 देशों में स्थान प्राप्त किया है।

अब अमेरिकी आईटी कंपनियां भारतीय कंपनियों को ज्यादा आउटसोर्सिंग का काम दे सकती हैं। इससे भारत से अमेरिका के लिए काम बढ़ेंगे। भारत ग्लोबल आउटसोर्सिंग का नया हब बनने की डगर पर आगे बढ़ सकेगा। पिछले कई वर्षों से आउटसोर्सिंग के क्षेत्र में भारत की प्रगति के पीछे देश में संचार का मजबूत ढांचा होना एक प्रमुख कारण है।

आत्मा को पूर्ण तृप्ति तभी मिलती है जब वो वापस परमात्मा में लीन हो जाती है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

एप्पल स्टोर पर मोबाइल के लिए भारी भीड़

पिछले कुछ दशकों में भारत में एक बड़ा उपभोक्ता वर्ग ऐसा खड़ा हुआ है, जिसकी जरूरतें कई बार बाजार से संचालित होती हैं। भारत में आइफोन-17 की बिक्री शुरू होने के साथ ही बीते शुक्रवार को जैसा माहौल देखा गया, वह देश की अर्थव्यवस्था में दिनोंदिन विकास के दावे के समांतर किसी वस्तु की जरूरत और उसके उपभोग के पहलू पर विचार के तकाजे को रेखांकित करता है। गौरतलब है कि आइफोन-17 की बिक्री शुरू होने की घोषणा के साथ ही दिल्ली और मुंबई सहित कई शहरों में एप्पल के स्टोर के सामने युवाओं की भारी भीड़ जमा हो गई।

उनमें से बहुत सारे लोग वहां रात में ही पहुंच गए थे। मुंबई स्थित स्टोर के सामने लोगों के बीच आपस में मारपीट की भी खबरें आईं। कहा जा सकता है कि बाजार में किसी नई चीज के आने पर उसके प्रति युवाओं के बीच ऐसा आकर्षण और उत्साह सामान्य है। लेकिन जिस दौर में दुनिया भर में रोज खड़ी हो रही नई चुनौतियों और राजनीतिक-सामाजिक स्तर पर जड़ता के समांतर उपजे एक संक्रमणकाल के बीच युवाओं की बेहद महत्त्वपूर्ण भूमिका सामने आ रही है, उसमें आइफोन के नए संस्करण को लेकर ऐसे आकर्षण को कैसे देखा जाएगा।

जिस दिन आइफोन-17 खरीदने के लिए हजारों युवा एप्पल के स्टोर के सामने उमड़ पड़े, उसी दिन यह भी खबर आई कि राजस्थान में करीब चौबीस लाख युवा चपरासी के पद पर नियुक्ति के लिए आयोजित परीक्षा में शामिल थे। इनमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की थी, जिनके पास उच्च शिक्षा की डिग्री है। रोजगार के अवसर से संबंधित ऐसी खबरें अक्सर आती रहती हैं। बढ़ती बेरोजगारी की चुनौतियों के अलावा भी अमीरी-गरीबी के बीच तेजी से बढ़ती खाई और शिक्षा से लेकर आर्थिक मोर्चे पर देश जिस तरह की जटिलताओं से जूझ रहा है, उसमें यह सवाल स्वाभाविक है कि देश के सक्षम तबकों के युवाओं का सरोकार और उनकी प्राथमिकताएं क्या हैं।

ऐसे दृश्य आम हैं, जिनमें अपने आसपास हो रही किसी त्रासद घटना पर युवाओं के बीच जरूरी संवेदना और सक्रियता का अभाव दिखता है। ऐसे में राष्ट्र और समाज के हित से जुड़े बड़े सवालों पर उनकी ठोस प्रतिक्रिया की बस उम्मीद ही की जा सकती है। हालांकि राजनीतिक अभियानों में युवाओं का एक बड़ा वर्ग अक्सर सक्रिय दिखता है, लेकिन तयशुदा पक्षधरता की अपनी सीमा होती है।

हालांकि यह भी सच है कि एक बड़ी आबादी का कोई हिस्सा अगर बाजार में सक्रिय उपभोक्ता के रूप में दिखता है, तो इसे समूचे समाज का प्रतिनिधि चरित्र नहीं माना जाना चाहिए। मगर जिस आइफोन-17 को लेने के लिए मची होड़ चर्चा का विषय बनी, उसकी कीमत लगभग डेढ़ लाख रुपए है। कई युवाओं ने उसकी पूरी कीमत चुकाई होगी तो बहुत सारे ऐसे भी होंगे, जिन्होंने उसके लिए कर्ज या मासिक किस्त का सहारा लिया होगा।

दरअसल, बाजार कई बार जरूरतों को परिभाषित करता है और इस क्रम में लोग गैरजरूरी चीजें भी अपने लिए अनिवार्य मान कर खरीद लेते हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी के संदर्भ में इसे एक मजबूत सहायक कारक माना गया है। मगर इस क्रम में ऐसे मौके भी सामने आते हैं, जब इस पहलू पर विचार करने की जरूरत महसूस होती है कि उपभोग आधारित मानसिकता से लैस लोगों और तबकों के बीच जरूरतों और संवेदनाओं में तालमेल की दिशा क्या है और इससे भविष्य के कैसे समाज की रूपरेखा बन रही है।

कुत्ते की अंतिम यात्रा, गंगा में विसर्जित होंगी अस्थियां

छतरपुर जिले के राजनगर के पिपट गांव में एक अनोखा मामला देखने को मिला है जो पूरे जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है.

जरा हट के

दरअसल, राजनगर क्षेत्र के गांव पिपट के रहने वाले राम संजीवन पटेरिया ने अपने एक पालतू कुत्ते की मौत पर उसका इंसानों की तरह विधि-विधान से अंतिम संस्कार किया. सिर्फ राम संजीवन ही नहीं बल्कि पूरा परिवार इस डॉगी की मौत पर शोक मना रहा है.

फिलहाल, राम संजीवन डॉगी की अस्थि विसर्जन प्रयागराज कराने जा रहे हैं. वहां से लौटने के बाद अन्य क्रियाकर्म भी कराए जाएंगे. मृत्यु के तेरहवें दिन यानी 1 अक्टूबर को बड़े भोज का कार्यक्रम भी रखा गया है. इसमें पूरे गांव के डॉगी और पशु-पक्षियों को सब्जी-पूड़ी, हलवा आदि का भोज कराया जाएगा.

10 साल पहले जन्मे डॉगी की कहानी

पेट लवर राम संजीवन पटेरिया उर्फ सद्दू महाराज बताते हैं" 10 साल पहले गांव की एक गली में डॉगी ने जिसका नाम रामकली था, उसने बच्चों को जन्म दिया था. कुछ दिन बाद ही रामकली की मौत हो गई. अन्य बच्चों की भी एक-एक करके मौत हो गई. लेकिन डॉगी का एक बच्चा बच गया था. डॉगी के बच्चे को बेसहारा देखकर उन्होंने उसे गोद ले लिया. उसका नाम रखा गया तिलकधारी. इसी दौरान डॉगी का नामकरण संस्कार का आयोजन करने के लिए पूरे गांव को आमंत्रित किया गया. सबको भोज कराया गया."

डॉगी की अंतिम यात्रा, भावभीनी विदाई दी

पिपट गांव में रहने वाले राम संजीवन पटेरिया उर्फ सिद्दू महाराज ने अपने घर में पाले गए डॉगी की मौत के बाद उसे भावभीनी विदाई दी. डॉगी की बाकायदा घर से श्मशान घाट तक अंतिम यात्रा निकाली गई. इसमें गांव के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए. अंतिम यात्रा में 'राम नाम सत्य है' के नारे लगे. विधिवत तरीके से डॉगी का अंतिम संस्कार किया. शोकसभा का आयोजन किया गया. पेट लवर सद्दू महाराज ने डॉगी के अंतिम संस्कार से पहले बाकायदा अपना मुंडन कराया.

खाना-खजाना

साबुदाने की खिचड़ी

साबुदाना व्रत-त्योहारों पर खूब खाया जाता है। साबुदाने की डिशेज न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट होती हैं, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद हैं। उपवास के दौरान इन्हें खाने से शरीर को एनर्जी मिलती है, जिसके कारण कमजोरी महसूस नहीं होती। वैसे तो इससे कई डिशेज बनाई जा सकती हैं, लेकिन साबुदाने की खिचड़ी बनाना सबसे आसान है।

सामग्री :

- साबूदाना- 1 कप
- मूंगफली- 1/2 कप
- घी या तेल- 2-3 बड़े चम्मच
- जीरा- 1/2 छोटा चम्मच
- हरी मिर्च- 2-3
- कड़ी पत्ता- 7-8
- सेंधा नमक
- काली मिर्च पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच
- आलू- 1
- नींबू का रस- 1 बड़ा चम्मच

- हरा धनिया- बारीक कटा हुआ

विधि :

सबसे पहले साबूदाने को धोकर 3-4 घंटे के लिए या रात भर पानी में भिगो दें। ध्यान रखें कि साबूदाना बस पानी में डूबा रहे, ज्यादा पानी न डालें। भीगने के बाद साबूदाना नरम और खिला-खिला हो जाएगा। अब एक पैन में मूंगफली को धीमी आंच पर सुनहरा होने तक भूनें। ठंडा होने पर इसका छिलका हटा दें और दरदरा पीस लें। एक कड़ाही में घी या तेल गरम करें। इसमें जीरा डालें और इसे चटकने दें। अब हरी मिर्च और कड़ी पत्ता डालकर कुछ सेकंड भूनें। अगर आप आलू डाल रहे हैं, तो उबले हुए आलू डालकर हल्का सुनहरा होने तक भूनें। भीगे हुए साबूदाने, दरदरी पिसी हुई मूंगफली, सेंधा नमक और काली मिर्च पाउडर डालें। सभी चीजों को अच्छे से मिलाएं। अब कड़ाही को ढककर धीमी आंच पर 2-3 मिनट तक पकाएं। बीच-बीच में चलाते रहें, ताकि खिचड़ी चिपके नहीं। जब साबूदाना पारदर्शी हो जाए तो गैस बंद कर दें। गैस बंद करने के बाद इसमें नींबू का रस और बारीक कटा हरा धनिया डालकर अच्छे से मिलाएं। स्वादिष्ट साबूदाना खिचड़ी बनकर तैयार है।

सिर्फ याददाश्त की बीमारी नहीं है अल्जाइमर!

देखने-समझने की शक्ति छीन लेता है इसका यह दुर्लभ रूप

जब कोई बुजुर्ग अचानक अखबार पढ़ते हुए शब्द पहचान न पाए या घर की जानी-पहचानी चीजों को देखकर उलझन में पड़ जाए, तो अक्सर परिवार को लगता है कि समस्या आंखों में है। लोग तुरंत आई स्पेशलिस्ट के पास पहुंच जाते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह हमेशा आंखों की कमजोरी नहीं होती है?

जी हां, कई बार इसके पीछे दिमाग से जुड़ी एक दुर्लभ बीमारी होती है, जिसे पोस्टीरियर कॉर्टिकल एट्रोफी कहते हैं। आइए, 21 सितंबर को मनाए जा रहे World Alzheimer's Day के मौके पर डॉ. संजय पांडे (हेड ऑफ न्यूरोलॉजी एंड स्ट्रोक मेडिसिन, अमृता अस्पताल, फरीदाबाद) से इस विषय के बारे में समझते हैं।

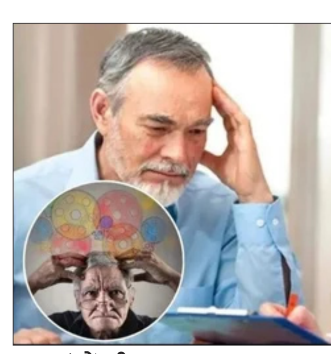

आंखें ठीक, मगर दिमाग नहीं

PCA दरअसल अल्जाइमर का एक असामान्य रूप है। इसमें दिमाग का पिछला हिस्सा प्रभावित होता है, जिसकी वजह से व्यक्ति की देखने और पहचानने की क्षमता कमजोर होने लगती है।

हैरानी की बात यह है कि आंखें पूरी तरह से हेल्दी रहती हैं, लेकिन दिमाग उन्हें सही तरह से काम करने नहीं देता।

स्टडी से मिली चौंकाने वाली जानकारी

Neurology जर्नल में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन बताता है कि ऐसे मरीजों को सही निदान मिलने में औसतन तीन से चार साल लग जाते हैं। ज्यादातर लोग शुरुआत में नेत्र रोग विशेषज्ञ के पास जाते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि परेशानी आंखों में है, लेकिन असल में यह समस्या मस्तिष्क की होती है।

एक दिलचस्प केस स्टडी में सामने आया कि 82 वर्षीय महिला, जिन्हें अल्जाइमर की शुरुआती समस्या थी, अचानक पेंटिंग करने लगीं। जीवनभर कभी कला से न जुड़ी इस महिला की यह "नई शुरुआत" वैज्ञानिकों के लिए हैरान करने वाली थी। विशेषज्ञ मानते हैं कि कभी-कभी दिमाग में होने वाले बदलाव छिपी हुई रचनात्मक क्षमताओं को भी सामने ला देते हैं।

डॉक्टरों की सलाह

विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे मामलों में केवल आंखों की जांच तक सीमित न रहें। तुरंत किसी न्यूरोलॉजिस्ट से परामर्श लेना जरूरी है। जितनी जल्दी सही कारण सामने आएगा, उतनी जल्दी इलाज की दिशा तय हो पाएगी।

परिवार की भूमिका भी है अहम

मरीज को पॉजिटिव एक्टिविटीज में शामिल करें। अगर उन्हें अचानक पेंटिंग, संगीत या लेखन में रुचि हो तो उन्हें प्रोत्साहित करें। इससे न केवल मानसिक सुकून मिलेगा बल्कि जीवन की गुणवत्ता भी बेहतर हो सकती है।

लक्षण जिन्हें नजरअंदाज न करें

- अचानक पढ़ने या लिखने में कठिनाई होना
- परिचित वस्तुओं को पहचानने में समस्या
- आंखों की जांच सामान्य आने के बावजूद दृष्टि संबंधी दिक्कत बने रहना
- रोजमर्रा के काम करते समय दृश्य भ्रम महसूस होना
- अगर इनमें से कोई भी लक्षण दिखे तो इसे केवल "बुढ़ापे की निशानी" मानकर न टालें।

आज का राशिफल

मेष : धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कुबुद्धि हावी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। मित्रों से संबंध सुधरेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है।

वृषभ : वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग परेशानी का कारण रह सकता है। दूसरों के कार्य में दखल न दें। बड़ों की सलाह मानें। लाभ होगा। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। धैर्य रखें।

मिथुन : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। बेवजह कहासुनी हो सकती है। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मियों का साथ मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

कर्क : किसी अपने के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। शारीरिक कष्ट संभव है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु परस्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल होंगे। निवेश शुभ रहेगा।

सिंह : घर के सदस्यों के स्वास्थ्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी सहयोग करेंगे।

कन्या : शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं। दु:खद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

तुला : शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधन जुटेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। लंब समय से रुके कार्य सहज रूप से पूर्ण होंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। शेयर मार्केट में सफलता मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक : घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। अज्ञात भय रहेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। प्रसन्नता का माहौल रहेगा।

धनु : आंखों का ख्याल रखें। अज्ञात भय सताएगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन आ सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। लॉटरी व सट्टे से दूर रहें। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में प्रमोशन प्राप्त हो सकता है।

मकर : स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी अपरिचित पर अतिविश्वास न करें। विवाद से क्लेश होगा। दूसरों के उकसाने में न आएं। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय में निश्चितता रहेगी। कोई बड़ी समस्या आ सकती है।

कुंभ : शारीरिक कष्ट संभव है तथा तनाव रहेंगे। सुख के साधन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

मीन : चोट व रोग से परेशानी संभव है। आराम तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। यश बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। नई योजना बनेगी जिसका तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। विरोधी सक्रिय रहेंगे। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। प्रमाद न करें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

घर में आसानी से उगाएं अदरक

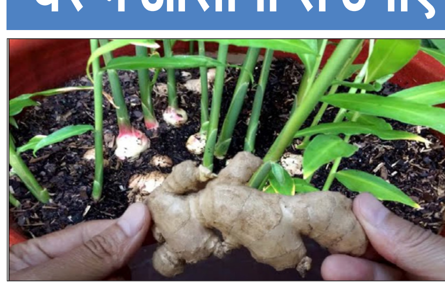

वो रसोई ही क्या, जिसमें अदरक न हो. अदरक भारतीय रसोई का अहम हिस्सा है. चाय हो या सब्जी, इसका इस्तेमाल स्वाद और सेहत दोनों के लिए किया जाता है. अदरक औषधीय गुणों से भरपूर है. इसे घर पर भी उगा सकते हैं. अच्छी बात यह है कि अदरक को गमले या थोड़ी-सी जगह में आसानी से उगाया जा सकता है. अगर आप भी अपने घर पर ताजा और बिना केमिकल वाला अदरक चाहते हैं तो यह आसान तरीका अपनाइए.

रोपाई का तरीका

अदरक को ढीली और उपजाऊ मिट्टी पसंद होती है. गमले में मिट्टी, गोबर की खाद और रेत को बराबर मात्रा में मिलाकर भरें. गमला कम से कम 12 इंच गहरा होना चाहिए ताकि अदरक की गांठें आसानी से विकसित हो सकें. चुनी हुई अदरक की गांठ को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें. हर टुकड़े में कम से कम एक कली जरूर होनी चाहिए. अब इन्हें मिट्टी में 2 से 3 इंच गहराई तक दबाकर लगा दें और ऊपर से हल्की मिट्टी डालकर ढक दें.

कितना पानी, कैसे करें देखभाल

अदरक को ज्यादा पानी की जरूरत नहीं होती, लेकिन मिट्टी नमीदार बनी रहनी चाहिए. गमले को छांव वाली जगह पर रखें, क्योंकि तेज धूप अदरक की बढ़वार को प्रभावित करती है. समय-समय पर मिट्टी में जैविक खाद मिलाते रहें. लगभग 7 से 8 महीने बाद अदरक की फसल तैयार हो जाती है. जब पौधे की पत्तियां पीली होकर सूखने लगें, तो समझ लें कि अदरक खोदने का समय आ गया है. इसके बाद गमले की मिट्टी धीरे-धीरे हटाकर ताजी अदरक निकाल लें. थोड़ी-सी देखभाल और धैर्य से आप अपने घर की बालकनी में अदरक उगा सकते हैं.

बड़ी-बड़ी बीमारियों को मात देने वाला फल सीताफल

आंखों के लिए तो वरदान

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए फल और सब्जियां बेहद जरूरी होती हैं. फल में कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर को हेल्दी बनाए रखते हैं. सीताफल (शरीफा) भी एक ऐसा ही फल है, जिसके नियमित सेवन से हार्ट हेल्दी रहता है. यह डाइजेस्टिव सिस्टम को भी सही रखता है. मध्य प्रदेश की रीवा की डेंटिस्ट और फिटनेस एक्सपर्ट डॉक्टर प्रतिभा सिंह ने लोकल 18 से कहा कि फल और सब्जियां खाना सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है. फलों में कई तरह के पोषक तत्व और विटामिन पाए जाते हैं. यही वजह है कि डाइट में फल शामिल करने की सलाह दी जाती है. उसी तरह का एक फल सीताफल है.

विटामिन सी का बेहतरीन स्त्रोत

सीताफल में मौजूद विटामिन सी एक एंटी-ऑक्सीडेंट है. शरीफा हार्ट और डायबिटीज के बेहद फायदेमंद होता है. विटामिन सी की पूर्ति के लिए सीताफल का सेवन किया जा सकता है.

आंखों को रखें स्वस्थ

सीताफल आंखों के लिए बेहद फायदेमंद होता है. शरीफा में मौजूद ल्यूटिन एक पावरफुल एंटी-ऑक्सीडेंट है, जो आंखों में पाया जाता है. यह फ्री रेडिकल्स से बचाता है और आंखों की कई समस्याओं को दूर करके आंखों की हेल्थ को सही रखता है. आंखों की हेल्थ के लिए सीताफल बहुत फायदेमंद होता है.

ब्लड प्रेशर को करे कंट्रोल

सीताफल ब्लड प्रेशर के लिए बेहद फायदेमंद होता है. इसमें पोटैशियम और मैग्नीशियम होता है, जो ब्लड वेसल्स को डाइल्यूट होने में मदद करता है. सीताफल खाने से ब्लड प्रेशर लो रहता है. इससे हार्ट डिजीज से भी बचाव संभव है.

अस्थमा के मरीजों के लिए फायदेमंद

सीताफल खाना अस्थमा के मरीजों के लिए बेहद फायदेमंद होता है. इसके सेवन से फेफड़े के सूजन दूर होने के साथ एलर्जी की समस्या भी कम होती है. शरीफा के रोजाना सेवन से शरीर हेल्दी रहता है.

डाइजेस्टिव सिस्टम सुधारे

सीताफल में फाइबर भरपूर मात्रा में होता है. इससे डाइजेस्टिव सिस्टम सही रखने में मदद मिलती है और कब्ज और डायरिया जैसी समस्याएं दूर होती हैं. इसके सेवन से डाइजेस्टिव सिस्टम सही बना रहता है.

इम्युनिटी बढ़ाए शरीफा

शरीफा विटामिन सी का बहुत अच्छा स्त्रोत माना जाता है. विटामिन सी इम्युनिटी बढ़ाने और रोगों से बचाने में फायदेमंद है. इसकी कमी से इंफेक्शन होने का जोखिम बढ़ जाता है. शरीफा इम्युनिटी बूस्ट करने में बेहद मददगार होता है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

गाड़ी खराब होने पर सड़क किनारे ही सो गए, ट्रक ने छह लोगों को रौंदा, चार की मौत

प्रयागराज. प्रयागराज से एक दिल दहला देने वाला घटना सामने आई है। जहां सोरांव क्षेत्र में सोमवार भोर तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गयी। दरअसल गाड़ी खराब होने के बाद सभी लोग सड़क किनारे ही सो गए थे। सोमवार की भोर चार बजे के करीब तेज रफ्तार ट्रक ने बोलेरो में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो के बाहर सो रहे छह लोगों पर चढ़ गई। हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो लोग जख्मी हो गए।

गला दबाया फिर करंट लगाकर की पत्नी और ससुर की हत्या, दामाद ने किया डबल मर्डर

गोंडा. यूपी के गोंडा में डबल मर्डर की वारदात सामने आई है। यहां थाना क्षेत्र के ग्राम राजापुर में सोमवार की सुबह भगनी पुरवा के कुम्हारन गांव में संपत्ति की लालच में दिल्ली से ससुराल पहुंचे दामाद ने अपने ससुर व पत्नी की पहले पिटाई। इसके बाद गला दबाकर करंट लगा दिया। पत्नी की घर पर ही मौत हो गई, वहीं ससुर ने जिला अस्पताल पहुंचने पर दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि 28 वर्षीय संगीता पुत्री मंगल की शादी आठ साल पहले थाना उमरी बेगमगंज के ग्राम बरसड़ा बक्सैला गांव के पवन के साथ हुई थी। बीते तीन साल से पिता की बीमारी के बाद बेटी संगीता ज्यादातर मायके में रह रही थी। संगीता अपने पिता की अकेली संतान है। मां की पहले मौत हो चुकी है। आसपास के ग्रामीणों की मानें तो 58 वर्षीय मंगल प्रजापति अपने संपत्ति का वरासत दामाद व बेटी के नाम कर रखा था।

प्रेमी से कराई पेंटर की हत्या

मुरादाबाद. यूपी के मुरादाबाद में पाकबड़ा थाना क्षेत्र के गुरैठा गांव के पेंटर की हत्या में खुलासा हो गया है। यह साजिश उसी गांव की युवती ने अपने पिता और भाइयों को हत्या के झूठे आरोप में फंसाकर जेल भिजवाने और इसके बाद प्रेमी से शादी करने के लिए रची थी। एसपी क्राइम सुभाष चंद्र गंगवार ने बताया कि स्वाति का प्रेम प्रसंग मनोज से था। पिता और भाइयों के विरोध से तंग आकर उसने प्रेमी संग योजना बनाई। टीवी शो क्राइम पेट्रोल देखकर उन्होंने तय किया कि किसी की हत्या कर उसे पिता और भाइयों पर थोप दिया जाए। इसके बाद पिता-भाई जेल चले जाते और दोनों शादी कर लेते। इसी साजिश के तहत रविवार को योगेश मौके पर मिला और आरोपियों ने उसे पकड़कर पहले गला दबाया, फिर ईंट से सिर कुचलकर उसकी हत्या कर दी। पाकबड़ा पुलिस ने रविवार रात हुई मुठभेड़ के दौरान युवती के प्रेमी मनोज और उसके ममेरे भाई मंजीत को गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ में आरोपी मनोज के पैर में गोली लगी है। गुरैठा गांव का पेंटर योगेश कुमार (22) बीते रविवार शाम घर से साइकिल पर निकला था और अगले दिन सुबह उसका शव गांव के बाहर कब्रिस्तान मार्ग पर झाड़ियों में मिला।

कांग्रेस ने नॉर्थईस्ट को नजरअंदाज किया

- मोदी ने कहा- हमने इसी सोच से देश को मुक्ति दिलाई
- यहां के 8 राज्यों को अष्टलक्ष्मी मानते हैं

अष्टलक्ष्मी राज्य

नॉर्थईस्ट में 8 राज्य अरुणाचल, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा शामिल हैं।

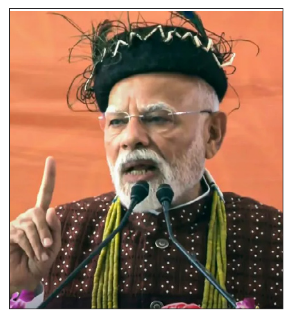

ईटानगर. प्रधानमंत्री मोदी सोमवार को अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा के दौरे पर हैं। सबसे पहले वे ईटानगर पहुंचे। उन्होंने यहां 5,100 करोड़ रुपए के नए प्रोजेक्ट्स की नींव रखी। उन्होंने कहा, ₹अरुणाचल को कांग्रेस ने नजरअंदाज किया। हमारा पूरा नॉर्थईस्ट छूट गया। जब मुझे सेवा का अवसर दिया तो मैंने कांग्रेसी सोच से देश को मुक्ति दिलाई। हमारी प्रेरणा इसी राज्य में वोटों और सीटों की संख्या नहीं , नेशन फर्स्ट की भावना है।₹

उन्होंने कहा, ₹जिनको कभी किसी ने नहीं पूछा उनको मोदी पूजता है। इसलिए जिस नॉर्थ ईस्ट को कांग्रेस ने भुला दिया था वो 2014 के बाद विकास की प्राथमिकता बन गया है। हमने लास्ट माइल कनेक्टिविटी को अपनी सरकार की पहचान बनाया। हमने यहां के 8 राज्यों को अष्टलक्ष्मी माना है।₹

अरुणाचल का हर व्यक्ति शौर्य और साहस का प्रतीक

यहां का हर व्यक्ति शौर्य और साहस का प्रतीक है। अरुणाचल मैं कई बार आया हूं। इसलिए यहां की ढेर सारी यादें मेरे साथ जुड़ी हुई हैं। उनका स्मरण भी मुझे भी अच्छा लगता है। तवांग मठ से लेकर स्वर्ण पगोडा तक अरुणाचल शांति का संगम हैं, मां भारती का गौरव है। मैं इस पुण्यभूमि को प्रणाम करता हूं।

- मैं यहां 3 वजहों से आया

पहली- आज मुझे यहां सुंदर पर्वतों के दर्शन का सौभाग्य मिला। नवरात्र के पहले दिन आज सब मां शैलपुत्री की पूजा करते हैं जो पर्वतराज हिमालय की बेटी हैं। दूसरी वजह- आज से नेक्स्ट जनरेशन GST बचत उत्सव शुरू हो रहा है। जनता जर्नादन को डबल बोनांजा मिला है। तीसरी वजह- आज के दिन अरुणाचल में विकास के ढेर सारे प्रोजेक्ट, आज राज्य को पावर कनेक्टिविटी, टूरिज्म अनेक सेक्टर से जुड़े प्रोजेक्ट मिले हैं। ये BJP की डबल इंजन सरकार के डबल बेनिफिट का उदाहरण है।

मां दुर्गा की प्रतिमा पर पत्थर फेंके

मध्य प्रदेश में नवरात्रि के पहले दिन ही बवाल हो गया। स्थापना के लिए ले जाई जा रही मां दुर्गा की प्रतिमा पर पत्थर फेंकने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि यह घटना तब घटी जब प्रतिमा को लेकर लोग मुस्लिम मोहल्ले से गुजर रहे थे। पथराव से प्रतिमा हल्की सी खंडित भी हो गई।

मध्य प्रदेश के विदिशा में नवरात्रि के पहले दिन मां दुर्गा की प्रतिमा को स्थापना के लिए ले जाते समय बजरिया स्थित खाई रोड पर पत्थर फेंकने की घटना सामने आई है। मुस्लिम मोहल्ला से गुजरने के दौरान कुछ युवकों द्वारा प्रतिमा पर पत्थर फेंकने के बाद विवाद हो गया। जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची।

गुरपतवंत पन्नू का राइट हैंड अरेस्ट

- निज्जर के बाद संभाली थी कमान

कनाडा. भारत विरोधी खालिस्तान समर्थक गुरपतवंत सिंह पन्नू का खास पुलिस के हत्थे चढ़ गया है। खबर है कि कनाडा पुलिस ने उसके सबसे बड़े सहयोगियों में से एक इंदरजीत सिंह गोसाल को गिरफ्तार किया है। हालांकि, अब तक यह साफ नहीं हुआ है कि यह गिरफ्तारी किस मामले में हुई है। इससे पहले नवंबर 2024 में भी हिंदू मंदिर में हुई हिंसा से जुड़े केस में गिरफ्तार किया जा चुका था, लेकिन बाद में रिहा कर दिया था।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गोसाल को SFJ यानी सिख्स फॉर जस्टिस के फाउंडर गुरपतवंत सिंह

पन्नू का राइट हैंड माना जाता है। खबर है कि हरदीप सिंह निज्जर के बाद गोसाल ही कनाडा में एसएफजे के बड़े मोहरे के रूप में काम कर रहा था। निज्जर की जून 2023 में कनाडा के सरी में हत्या कर दी गई थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की अगुवाई वाली सरकार ने इस कांड के तार भारत से जोड़ने की कोशिश की थी।

- कनाडा में रिपोर्ट ने मचाई थी खलबली

सितंबर की शुरुआत में आई एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि कम से कम दो खालिस्तानी चरमपंथी समूहों को देश के भीतर से वित्तीय सहायता प्राप्त हुई है। '2025 असेस्मेंट ऑफ मनी लॉन्डरिंग एंड टेररिस्ट फाइनेंसिंग रिस्क इन कनाडा' शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में कनाडा के अंदर से वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले खालिस्तानी चरमपंथी समूहों की पहचान बब्बर खालसा इंटरनेशनल और इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन के रूप में की गई।

ओटावा की खुफिया एजेंसी की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि 1980 के दशक के मध्य से कनाडा में राजनीतिक रूप से प्रेरित हिंसक चरमपंथ का खतरा खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा भारत के पंजाब में खालिस्तान नामक एक स्वतंत्र राष्ट्र बनाने के लिए हिंसक तरीकों का इस्तेमाल करने की कोशिश के माध्यम से उत्पन्न हुआ था।

रिपोर्ट के मुताबिक, कनाडा में आपराधिक संहिता के तहत सूचीबद्ध और राजनीति से प्रेरित हिंसक चरमपंथ में शामिल कई आतंकवादी संगठन जैसे हमास, हिज्बुल्ला और खालिस्तानी हिंसक चरमपंथी समूह बब्बर खालसा इंटरनेशनल तथा इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन कनाडा के अंदर से ही वित्तीय सहायता प्राप्त करते पाए गए हैं।

सैटेलाइट्स की सुरक्षा के लिए बनेगा 'बॉडीगार्ड सैटेलाइट'

- अंतरिक्ष में संदिग्ध गतिविधि भी पता चलेगी
- एक देश का उपग्रह 1km पास से गुजरा था

नई दिल्ली. अंतरिक्ष में बढ़ते खतरे और दुश्मन देशों की सैटेलाइट गतिविधियों को देखते हुए भारत सरकार अपने उपग्रहों की सुरक्षा मजबूत करने की योजना बना रही है। मोदी सरकार अब ऐसे खास "बॉडीगार्ड सैटेलाइट" बनाने की तैयारी कर रही है, जो अंतरिक्ष में भारतीय सैटेलाइट की सुरक्षा करेंगे और किसी भी संदिग्ध गतिविधि का तुरंत जवाब देंगे।

ब्लूमबर्ग के सूत्रों के अनुसार, इस तैयारी को तेजी तब मिली जब 2024 के बीच एक पड़ोसी देश का सैटेलाइट इसरो के सैटेलाइट के सिर्फ 1 किलोमीटर पास से गुजरा था। रिपोर्ट के मुताबिक,

यह सैटेलाइट 500-600 किलोमीटर की ऊंचाई पर था और मैपिंग और जमीन की निगरानी जैसे सैन्य काम कर रहा था। हालांकि, दोनों सैटेलाइट्स टक्कर तो नहीं हुई, लेकिन यह घटना जानकारों के अनुसार दूसरे देश की ताकत दिखाने की कोशिश हो सकती है।

सरकार अब स्टार्टअप्स के साथ मिलकर LiDAR सैटेलाइट और ग्राउंड-बेस्ड रडार जैसे सिस्टम पर काम कर रही है, जिससे खतरों को समय रहते पहचान कर सैटेलाइट को सुरक्षित पोजिशन पर भेजा जा सके।

एयर मार्शल ने अंतरिक्ष सुरक्षा को लेकर चेतावनी दी थी

एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने जून में सर्विलांस एंड इलेक्ट्रो ऑप्टिक्स इंडिया सेमिनार चेतावनी दी थी कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी तेजी से अंतरिक्ष क्षमता बढ़ा रही है और यह भारत की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।

बिना जंग के ही भारत में शामिल होगा PoK

- ऑपरेशन सिंदूर कभी भी हो सकता है शुरू : राजनाथ

मोरक्को. भारत की ओर से ऑपरेशन सिंदूर का दूसरा या तीसरा चरण कभी भी शुरू हो सकता है। यदि पाकिस्तान ने आतंकी हमले कराने या फिर घुसपैठिये भेजने की हिमाकत की तो भारत दोबारा ऑपरेशन सिंदूर शुरू करने से हिचकेगा नहीं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मोरक्को में भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर यानी PoK को लेकर भी बड़ी बात कही। राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर एक दिन भारत का हिस्सा बनेगा और इसके लिए जंग की भी जरूरत नहीं है। राजनाथ सिंह ने कहा कि यदि पाकिस्तानी आतंकियों ने फिर कोई हमला किया तो हम ऑपरेशन सिंदूर तत्काल शुरू करेंगे।

राजनाथ सिंह ने यह बताने से इनकार कर दिया कि ऑपरेशन सिंदूर में कितने पाकिस्तानी आतंकी ढेर किए गए थे। उन्होंने कहा कि यदि हमने आंकड़ा बताया तो लोग खुशी से नाचने लगेंगे। उन्होंने कहा कि एक दिन पीओके भारत का हिस्सा होगा और उसके लिए जंग की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारी तैयारी का स्तर यह है कि पहलगाम आतंकी हमले के अगले ही दिन एक मीटिंग बुलाई गई थी। इस मीटिंग में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, रक्षा सचिव, तीनों सेनाओं के प्रमुख और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ मौजूद थे। इस दौरान मैंने पूछा कि क्या अभी जंग छिड़ जाए तो हम उसके लिए तैयार हैं। इस पर सभी सेना प्रमुखों ने कहा कि हम एकदम तैयार हैं। किसी भी वक्त जंग शुरू की जा सकती है।

डिफेंस मिनिस्टर ने कहा कि इसके बाद मैं अगले दिन पीएम नरेंद्र मोदी से मिला। उन्होंने मीटिंग के दौरान तीन सेनाओं को अधिकृत किया कि वे जैसा चाहें ऐक्शन ले सकते हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि इसके बाद क्या हुआ, यह हम जानते ही हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान के अंदर 100 किलोमीटर तक घुसकर आतंकी ठिकानों को तबाह किया।

आजम खां की रिहाई का परवाना जेल पहुंचा

रामपुर. समाजवादी पार्टी की वरिष्ठ नेता आजम खां की रिहाई के लिए परवाना जारी हो गया है। सोमवार की शाम लूट-डकैती और धोखाधड़ी में सजायाफ्ता आजम खां के खिलाफ दायर 19 मामलों में परवाना और जारी हो गया। इस तरह से 72 मामलों में रिहाई का परवाना सीतापुर जेल पहुंच चुका है। इससे जेल में बंद आजम खां की रिहाई का रास्ता साफ हो गया है। माना जा रहा है कि कोई कानूनी अड़चन नहीं आयी तो आजम खां मंगलवार की सुबह सलाखों से बाहर आ जाएंगे। आजम खां 23 महीनों से जेल के अंदर हैं।

वाराणसी आ रही फ्लाइट का कॉकपिट खोलने की कोशिश

- हाईजैक के डर से कैप्टन ने नहीं खोला
- CISF ने 9 को हिरासत में लिया

बेंगलुरु से वाराणसी आ रही एअर इंडिया एक्सप्रेस के विमान में एक यात्री ने कॉकपिट का दरवाजा खोलने की कोशिश की। उसने दरवाजे का सही पासकोड भी डाला, लेकिन कैप्टन ने हाईजैक के डर से दरवाजा नहीं खोला।

केबिन क्रू ने उसे रोकने की कोशिश की तो उसके साथ के लोग आ गए। अंदर जाने की कोशिश करने लगे। एयरलाइंस कर्मियों ने उन्हें फटकार लगाते हुए सीट पर बैठाया। कैप्टन ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) को इसकी जानकारी दी।

ATC ने एयरपोर्ट अथॉरिटी को सूचना दी। जैसे ही विमान वाराणसी में लैंड हुआ, CISF ने आरोपी और उसके 8 साथियों को हिरासत में लिया है। सभी से बाबतपुर पुलिस चौकी में पूछताछ की जा रही है। वाराणसी पुलिस ने इसकी पुष्टि की है। कॉकपिट का विमान का अगला हिस्सा होता है, जहां से पायलट विमान को कंट्रोल करता है।

एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट (IX-1086) सोमवार सुबह 8:14 बजे बेंगलुरु से वाराणसी के लिए उड़ी थी। 10:20 बजे जैसे ही विमान वाराणसी एयरपोर्ट लैंड हुआ। CISF के जवान अंदर घुस गए।

आरोपियों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। CISF के अधिकारियों ने बताया- शुरुआती जांच में पता चला है कि यात्री ने कॉकपिट का दरवाजा खोलने का प्रयास किया। सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाला गया है।

चचेरे भाई का गला घोंटा, फिर ईंटों से कूच डाला

गाजियाबाद. गाजियाबाद में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। 14 साल के एक लड़के को उसके चचेरे भाई ने बड़े बेरहमी से मार डाला। पहले उसका गला घोंटा और फिर पूरे शरीर को ईंटों से कूच डाला। उसके बाद फिल्म देखी और घर लौट आया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गाजियाबाद में क्रिप्टोकरेंसी में निवेश के लिए उधार लिए गए पैसे चुकाने से बचने के लिए चचेरे भाई की गला घोंटकर हत्या कर दी। मामला तब सामने आया जब लक्ष्य नाम का लड़का 16 सितंबर की रात को लापता हो गया। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, जांच से पता चला कि 16 सितंबर को युवराज उर्फ यश प्रजापति फिल्म दिखाने के बहाने अपने चचेरे भाई लक्ष्य को फुसलाकर दिल्ली के प्रीत विहार ले गया।

अब फिलीपींस में फूटा Gen-Z का गुस्सा

- भष्ट्राचार के खिलाफ प्रदर्शन में भारी हिंसा
- 95 पुलिसकर्मी घायल

मनीला. पड़ोसी देश नेपाल के बाद अब फिलीपींस में हजारों युवाओं ने बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं से जुड़े घोटाले को लेकर राजधानी मनीला में सड़कों पर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान उनकी पुलिसकर्मियों से हिंसक झड़प हो गई, जिसमें 95 पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। रविवार को प्रदर्शन के दौरान 216 प्रदर्शनकारी युवकों को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को विरोध-प्रदर्शन काफी हद तक शांतिपूर्ण रहा, लेकिन जल्द हिंसा भड़क उठी और प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ अयाला ब्रिज, मेंडिओला और क्लारो एम. रेक्टो एवेन्यू सहित प्रमुख क्षेत्रों में झड़पें हो गयीं। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछारें की।

- 216 प्रदर्शनकारी गिरफ्तार, उनमें 89 नाबालिग

फिलीपीनी न्यूज चैनल एबीएस-सीबीएन के अनुसार गृह विभाग ने सोमवार को बताया कि 21 सितंबर को मनीला में आयोजित भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान हिंसक झड़पों में 95 पुलिस कर्मी घायल हो गये और 216 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है। एक उच्च पदस्थ अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किये गये लोगों में 127 युवा और 89 नाबालिग शामिल हैं। मनीला शहर के मेयर इस्को मोरेना ने बताया कि इनमें एक 12 साल का किशोर भी है।

ओडिशा हाईकोर्ट बोला- सभी पढ़ी-लिखी पत्नियां पति पर बोझ नहीं

- अगर पत्नी की इनकम के सबूत नहीं तो पति को गुजारा भत्ता देना होगा

ओडिशा हाईकोर्ट ने सोमवार को पत्नी और बेटी को 10 हजार रुपए मेंटेनेंस देने के फैमिली कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा। हाईकोर्ट ने कहा कि पति ये साबित नहीं कर पाया कि पत्नी के पास परमानेंट इनकम है।

जस्टिस गौरीशंकर सतपथी की बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा कि पति ने ऐसा कोई दस्तावेज या सबूत नहीं दिया जिससे पता चले कि पत्नी कितने मामलों में वकालत कर रही है और कितना कमा रही है। कोर्ट ने कहा कि यदि पत्नी की इनकम के सबूत नहीं हैं, तो यह मानना गलत है कि सभी पढ़ी-लिखी पत्नियां पति के पैसों पर जीना चाहती हैं। उन्हें बेकार वर्ग कहना भी गलत है।

हाईकोर्ट ने कहा- सिर्फ शिक्षित होना यह साबित नहीं करता कि महिला जानबूझकर काम नहीं कर रही या पति पर बोझ बनकर रहना चाहती है। जब तक ठोस सबूत न हों तब तक ऐसी सोच रखना गलत है।

यह मामला बारगढ़ का है। तलाक के केस में पति जी देवेंद्र राव ने अपनी पत्नी और बेटी को गुजारा भत्ता देने से मना कर दिया। फैमिली कोर्ट में दलील दी गई कि उनकी पत्नी पढ़ी लिखी है। वह एमए, एलएलबी है। टीचर और LIC एजेंट है, इसलिए उसे गुजारा भत्ता का हक नहीं है। उनकी बेटी भी एडल्ट हो चुकी है। इसलिए सेक्शन 125 CrPC के अंतर्गत मेंटेनेंस नहीं मांग सकती।

उत्तर प्रदेश में पुलिस की एफआईआर, अरेस्ट मेमो, वारंट या किसी भी दस्तावेज पर अब जाति नहीं लिखी जाएगी। हाईकोर्ट के इस बाबत आदेश के बाद योगी सरकार ने भी फैसला लागू कर दिया है। मुख्य सचिव की तरफ से इसका शासनादेश जारी करते हुए सभी अधिकारियों को कड़ाई से आदेश का पालन करने का निर्देश दिया है।

भारत की पाकिस्तान पर लगातार सातवीं जीत

- अभिषेक और गिल ने 59 गेंदों पर 105 रन जोड़े
- सात गेंद बाकी रहते जीता मैच

भारतीय फील्डर्स ने 20 ओवर में 5 कैच टपका दिए। भारत के प्रीमियम फास्ट बॉलर जसप्रीत बुमराह ने 4 ओवर में 45 रन दे दिए। भारत के स्पिनर्स का जादू भी नहीं चला। कुलदीप, वरुण और अक्षर ने मिलकर सिर्फ 1 विकेट लिया।

एशिया कप सुपर-4 राउंड में भारत के खिलाफ पाकिस्तान की पारी में पाकिस्तान के लिए जो कुछ भी सही हो सकता था हुआ। इसके बावजूद नतीजा क्या रहा। भारत ने 6 विकेट से आसान जीत हासिल की। यह इंटरनेशनल क्रिकेट में टीम इंडिया की पाकिस्तान के ऊपर लगातार सातवीं जीत है।

अभिषेक और गिल के आगे बेबस पाकिस्तानी

क्रिकेट एक्सपर्ट्स इस पिच पर 171 रन के स्कोर को चुनौतीपूर्ण बता रहे थे। लेकिन, भारतीय ओपनर्स अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल ने जिस आक्रामक तेवर से बल्लेबाजी की उससे बहुत जल्द यह पता चल गया कि पाकिस्तान की एक और हार तय है।

इन दोनों ने पावरप्ले में ही 69 रन बटोर लिए। दोनों ने पहले विकेट के लिए 59 गेंदों पर 105 रन की पार्टनरशिप की। पिछले तीन मैचों में सिर्फ 35 रन बना पाए शुभमन गिल इस बार अलग अंदाज में दिखे। उन्होंने 167 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 47 रन बनाए।

1 रन बनाने में 2 विकेट गिरे

शुभमन गिल का विकेट फहीम अशरफ ने लिया। तब भारत का स्कोर 105 रन था। इसके बाद 1 रन ही और बना था कि कप्तान सूर्यकुमार यादव को हारिस रउफ ने चलता कर दिया। सूर्या खाता भी नहीं खोल सके।

विकेट गिरने का अभिषेक पर कोई असर नहीं

एक छोर से कम अंतराल में दो विकेट गिरने का अभिषेक शर्मा की बैटिंग पर कोई असर नहीं पड़ा। अभिषेक आखिरकार 39 गेंदों पर 74 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 189 के स्ट्राइक रेट से बैटिंग की और 6 चौके और 5 छक्के जमाए।

पाकिस्तानी सेना का गजब कारनामा!

- अपने ही देश में क्यों बरसा डाले बम, 30 लोगों की मौत

इस्लामाबाद. पड़ोसी देश पाकिस्तान की वायु सेना ने अपने ही देश के लोगों पर कहर बरपाया है। सोमवार को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पाकिस्तानी वायु सेना के हवाई हमलों में महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 30 लोग मारे गए हैं। यह घटना तड़के करीब 2 बजे हुई जब पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों ने तिराह घाटी स्थित मत्रे दारा गाँव पर आठ बम गिरा दिए, जिससे गांव और आसपास के इलाके में भारी तबाही मच गई। ये LS-6 कैटगरी के विनाशकारी बम थे, जो चीनी JF-17 लड़ाकू विमानों से गिराए गए थे। मारे गए सभी लोग नागरिक हैं।

इस हमले पर अभी तक पाकिस्तानी सरकार की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आ सका है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, इस बमबारी में 20 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। स्थानीय निवासियों के मुताबिक, जब गांव के लोग सो रहे थे, तभी तेज धमाकों से उनकी नींद खुली। बमबारी इतनी भयानक थी कि गांव का बड़ा हिस्सा तबाह हो गया है।

- विचलित करने वाली तस्वीरें और वीडियो

स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट में घटनास्थल की विचलित करने वाली तस्वीरों और वीडियो में बच्चों समेत कई लोगों के शव वहीं पड़े दिखाई दे रहे हैं। बचाव दल मलबे के नीचे शवों की तलाश में लगे हुए हैं। इससे मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका है। खैबर पख्तूनख्वा में पहले भी कई आतंकवाद-रोधी अभियान चलाए जा चुके हैं, जिनमें इस क्षेत्र से कई नागरिकों की मौत की खबरें आई हैं।

स्वातंत्र्याचा अमृत महोत्सव
स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर

अंबरनाथ नगरपरिषद, अंबरनाथ

जा.क्र. अंनप/बांधकाम विभाग/2025-26/1250 दि.16 /10/2025

ई- निविदा सुचना क्र. सन 2025-26

मुख्याधिकारी, अंबरनाथ नगरपरिषद, ईच्छुक, अनुभवी, अर्हता प्राप्त व त्या त्या वर्गामध्ये नोंदणीकृत कंत्राटदारांकडून खालील कामाकरीता बी-1 नमुन्यातील ई-निविदा प्रणालीव्दारे (ऑनलाईन) निविदा मागवित आहेत. निविदा कागदपत्रे शासनाचे संकेतस्थळ https://mahatenders.gov.in येथुन डाऊनलोड करण्यात यावीत. तसेच निविदा स्वकरण्याचा अथवा नाकारण्याचा अधिकार मुख्याधिकारी, अंबरनाथ नगरपरिषद यांनी राखुन ठेवला आहे. अट असलेली निविदा स्विकारली जाणार नाही.

अ क्र	कामाचे नाव	निविदेची अंदाजित किंमत (रु.) (जी.एस.टी. वगळून)	कंत्राटदाराचा वर्ग
01	अंबरनाथ नगरपरिषद हद्दीतील अंबरनाथ पूर्व विभागातील चिखलोली गांव येथे स्मशानभुमी बांधणे	33,94,014/-	वर्ग 4-अ (स्थापत्य) व त्या वरील

निविदा उपलब्ध कालावधी :- दि.23/ 09/2025 दुपारी 12.00 ते दि. 01/10/2025 दु. 3.00 पर्यंत
निविदा पुर्व बैठक :- दिनांक 2025 वेळ : दुपारी 12.00 वाजता
बैठकीचे ठिकाण :- मुख्याधिकारी यांचे सभागृह, अं.न.प. अंबरनाथ
निविदा उघडणे :- दि. 03/10/2025 दु. 3.00 वा.
खालील संकेतस्थळावर ई-निविदा सर्व माहिती उपलब्ध आहे.
1. https://mahatenders.gov.in
(सदर निविदे सूचनेमध्ये काही बदल होत असल्यास वरील वेबसाईट वरती कळविण्यात येईल.)
2. मुख्याधिकारी, अंबरनाथ नगरपरिषद यांचे कार्यालयातील सूचनाफलक.

सही/-
(उमाकांत गायकवाड)
मुख्याधिकारी,
अंबरनाथ नगरपरिषद.

संक्षेप...

एटीएम में स्किमर लगाकर 3 ग्राहकों से 16 हजार चुरा लिए

मुंबई. एटीएम स्किमिंग की घटनाओं में अस्थायी गिरावट के बाद, मुंबई में एक बार फिर एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। मुलुंड (पश्चिम) स्थित यूको बैंक के एक एटीएम केंद्र में, धोखेबाजों ने कथित तौर पर एक स्किमर जैसा उपकरण लगाकर तीन ग्राहकों से कुल 16,000 रुपये चुरा लिए।

मुलुंड पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जाँच शुरू कर दी है। रुद्राक्ष हेरिटेज बिल्डिंग, आरएचबी रोड स्थित यूको बैंक की मुलुंड शाखा के वरिष्ठ प्रबंधक अभिजीत विनोद मुखर्जी (34) द्वारा दर्ज कराई गई पुलिस शिकायत के अनुसार, 16 सितंबर को ईमेल के माध्यम से प्राप्त एक ग्राहक की शिकायत के बाद यह धोखाधड़ी सामने आई। बैंक के एटीएम प्रबंधन प्रकोष्ठ द्वारा भेजे गए ईमेल में कहा गया है कि एक ग्राहक ने 13 सितंबर को 10,000 रुपये निकालने का प्रयास किया था। हालाँकि नकदी नहीं निकली, लेकिन ग्राहक के खाते से राशि डेबिट हो गई।

20 साल के इंतजार के बाद ठाणे में दौड़ी मेट्रो

गायमुख से विजय गार्डन स्टेशन तक मेट्रो लाइन-4 और 4ए, चरण-1 का तकनीकी निरीक्षण और परीक्षण पूरा

2026 के अंत तक मेट्रो के सभी चरण यात्रियों के लिए खुल जाएँगे - मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

धर्मेंद्र उपाध्याय

ठाणे. मेट्रो लाइन 4 और मेट्रो लाइन 4ए, वडाला को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल से जोड़ने वाली मेट्रो लाइन 11 से जुड़ जाएँगी, देश की यह 58 किलोमीटर लंबी, सबसे बड़ी मेट्रो लाइन, ठाणेवासियों और मुंबईवासियों के लिए उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आश्वासन दिया कि अगले साल के अंत तक इस मेट्रो के सभी चरण यात्रियों के लिए खुल जाएँगे।मेट्रो रूट 4 (वडाला-कासरवडावली) और 4ए (कासरवडावली-गामुख) चरण-1 गायमुख जंक्शन गायमुख गांव-घोड़बंदर रोड-कासरवडावली-विजय गार्डन प्राथमिकता खंड के तकनीकी निरीक्षण और ट्रायल रन का

उद्घाटन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री और मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) के अध्यक्ष एकनाथ शिंदे, राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, सांसद नरेश म्हस्के, विधायक निरंजन डावखरे, पूर्व विधायक रवींद्र फाटक, मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) महानगर आयुक्त डॉ. संजय मुखर्जी, उपमुख्यमंत्री कार्यालय के प्रधान सचिव नवीन सोना, कोंकण संभागीय आयुक्त डॉ. विजय

सूर्यवंशी, ठाणे जिलाअधिकारी श्रीकृष्ण पांचाल सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मेट्रो रूट 4 और 4ए के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि घाटकोपर-मुलुंड-गायमुख मेट्रो रूट की कुल लंबाई 35 किलोमीटर है, जिसमें मेट्रो 4 की लंबाई 32 किलोमीटर और मेट्रो 4ए की लंबाई 2.88 किलोमीटर है। इस रूट पर कुल 32 स्टेशन हैं और इस परियोजना की लागत 16,000 करोड़ रुपये आने का अनुमान है। सभी मेट्रो, मेट्रो 4, मेट्रो 4ए, मेट्रो 10 और मेट्रो 11 के लिए डिपो बनाने के लिए भोगरपाड़ा में 45 हेक्टेयर जमीन उपलब्ध कराई गई है। इस मेट्रो रूट की खास बात यह है कि यह पूर्वी उपनगरों, पश्चिमी उपनगरों, मुंबई शहर और ठाणे शहर के सभी इलाकों को जोड़ने वाला रूट होगा। बाद में इस रूट को वडाला से छत्रपति शिवाजी टर्मिनस को जोड़ने वाले मेट्रो 11 तक बढ़ाया जाएगा इस मेट्रो से सड़क यातायात में काफी कमी आएगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने आश्वासन दिया कि अगले साल के अंत तक इस मेट्रो के सभी चरण चरणबद्ध तरीके से यातायात के लिए खोल दिए जाएँगे।

मेट्रो ट्रेन की विशेषताएँ

मेट्रो रूट 2A और 7 पर चलने वाले BEML के 6-कोच ट्रेन सेट में आधुनिक ट्रेन नियंत्रण और प्रबंधन प्रणाली, यात्री आपातकालीन संचार प्रणाली, स्वचालित अग्नि संसूचन प्रणाली, बाधा संसूचन उपकरण, आपातकालीन निकास द्वार, ऑन-बोर्ड जनसंबोधन और सूचना प्रणाली, ऊर्जा बचत पुनर्योजी ब्रेकिंग प्रणाली (लगभग 30% बचत) जैसी सुविधाएँ होंगी ।इस प्राथमिकता वाले खंड पर तकनीकी निरीक्षण और परीक्षण शुरू करके, MMRDA ठाणेकर और मुंबईकरों के लिए मेट्रो रूट 4 और 4A को चालू करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रहा है।

यातायात समस्या के समाधान में यह परियोजना महत्वपूर्ण - उपमुख्यमंत्री शिंदे

उपमुख्यमंत्री और मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) के अध्यक्ष एकनाथ शिंदे ने कहा कि इस मेट्रो के कार्य को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में मंजूरी मिली थी और आज यह विशेष खुशी की बात है कि यह परियोजना उनके कार्यकाल में पूरी हो रही है। 58 किलोमीटर लंबी एलिवेटेड मेट्रो परियोजना भारत की पहली परियोजना है। यह परियोजना यातायात की भीड़भाड़ की समस्या के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।इस प्रक्रिया में यह देखने के लिए समीक्षा की गई कि क्या मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त (सीएमआरएस) की आवश्यकताओं के अनुसार सभी तकनीकी प्रणालियाँ तैयार हैं। इस खंड का बुनियादी ढाँचा वायडक्ट, ट्रैक और ओवरहेड उपकरण पूरा हो चुका है। निरीक्षण और प्रारंभिक परीक्षण के दौरान भार गणना और सॉफ्टवेयर कॉन्फ़िगरेशन के लिए आवश्यक जानकारी एकत्र की गई और सुरक्षित परिवहन के लिए आवश्यक सभी प्रणालियों, जैसे मेट्रो ट्रेन आदि का परीक्षण और एकीकरण किया गया।

मराठा आरक्षण का विरोध करने वाले की कार में लगाई आग

महाराष्ट्र के जालना में माहौल गरमाया

महाराष्ट्र के जालना में एक अज्ञात व्यक्ति ने ओबीसी कार्यकर्ता नवनाथ वाघमारे की कार में आग लगा दी। पुलिस के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज में रविवार रात करीब 10 बजे नीलम नगर इलाके में यह घटना हुआ। यहां खड़ी कार पर एक शख्स को ज्वलनशील तरल डालकर आग लगाते हुए देखा गया। स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने में मदद की। हालांकि, कार का केवल ऊपरी हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ।

वाघमारे ने मीडिया से बात करते हुए आरोप लगाया कि यह कृत्य मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे के समर्थकों ने किया, जो जालना जिले के अंतरवाली सराटी गांव के निवासी हैं। वाघमारे ने कदीम जालना पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है और जांच के लिए सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा कर रही है। वाघमारे और अन्य ओबीसी कार्यकर्ता मराठा समुदाय को ओबीसी कैटेगरी के तहत आरक्षण देने का विरोध कर रहे हैं।

वाघमारे ने लगाए गंभीर आरोप

नवनाथ वाघमारे ने कहा, 'मेरी कार को जानबूझकर आग लगाई गई। स्थानीय लोगों ने आग फैलने से पहले इसे बुझाया। मैं डरने वाला नहीं हूं। हम संविधान का पालन करते हैं और इस तरह के कृत्यों का सहारा नहीं लेते। अगर ओबीसी कार्यकर्ताओं ने जरांगे की कार में आग लगाई होती तो क्या होता?' उन्होंने इस घटना में जरांगे के समर्थकों की भूमिका का आरोप लगाया और पुलिस से उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। जालना जिला मराठा, ओबीसी, धनगर और बंजारा समुदायों के बीच आरक्षण को लेकर चल रहे विवाद का केंद्र बना हुआ है।

जीएसटी में बदलाव आम लोगों को बचत उत्सव मनाने का समय

प्रधानमंत्री मोदी ने संकट को अवसर में बदला -कपिल पाटिल

भिवंडी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 15 अगस्त को की गई घोषणा के अनुसार, जीएसटी की नई दरें आज नवरात्रि के आरंभ के साथ लागू हो रही हैं. यह बचत पर्व आम लोगों को दशहरा और दिवाली पर खरीदारी के लिए प्रोत्साहित करेगा, ऐसा पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कपिल पाटिल ने कहा.वे मोदी सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए

जीएसटी का बोझ कम करने के अवसर पर भिवंडी में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे.इस अवसर पर जिला ग्रामीण अध्यक्ष जितेंद्र डाकी, जिला संयोजक पी. के. म्हात्रे, मंडल अध्यक्ष नीलेश गुरव उपस्थित थे.

गौरतलब हो कि,आज से 18 और 5 % की जीएसटी व्यवस्था लागू हो रही है. 376 वस्तुओं के दाम कम हो जाएँगे. ज़रूरी वस्तुओं के साथ-साथ टीवी, फ्रिज और कुछ कारें भी सस्ती हो जाएँगी. गरीबों के साथ-साथ मध्यम और उच्च मध्यम वर्ग को भी फ़ायदा होगा.पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल ने बताया कि, जीएसटी कम होने से अर्थव्यवस्था पर कोई असर नहीं पड़ेगा. बाज़ार में वस्तुओं के दाम कम होने से क्रय शक्ति बढ़ेगी. राज्य और केंद्र सरकार के खजाने पर कोई बोझ नहीं पड़ेगा. विपक्ष शुरू से ही जीएसटी का विरोध कर रहा है, लेकिन आज देश को जीएसटी के जरिए हर महीने 2.25 लाख करोड़ रुपये की आय केंद्र सरकार को हो रही है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा संकट को अवसर में बदलने में सफल रहे हैं.इसके लिए उन्होंने स्वदेशी का नारा दिया है.सबसे पहले मोदी ने खादी के कपड़ों के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया, जिसके बाद खादी की बिक्री में 30 फीसदी की बढ़ोतरी हुई. पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल ने विश्वास व्यक्त किया कि नरेंद्र मोदी का विकसित देश बनाने का सपना जल्द ही साकार होगा.

मुंबई युथ कांग्रेस को मिलेगी पहली महिला अध्यक्ष!

मुंबई. मुंबई यूथ कांग्रेस को पहली बार महिला अध्यक्ष मिलने जा रही है. मुंबई यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में जीनत शबरीन को सबसे ज्यादा 10,076 वोट मिले हैं.

राहुल गांधी के सुझाव के अनुसार, यूथ कांग्रेस में नियुक्तियां नहीं की जातीं, बल्कि चुनावों के जरिए पदाधिकारियों का चयन होता है. मुंबई यूथ कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव में 9 उम्मीदवार मैदान में थे. मतदान 16 मई से 17 जून के बीच हुआ. इसके नतीजे घोषित हो चुके हैं और जीनत शबरीन को सबसे ज्यादा 10,076 वोट मिले हैं.

उनके रूप में मुंबई यूथ कांग्रेस को पहली महिला अध्यक्ष मिलेगी. उच्चशिक्षित जीनत ने अपने स्कूली जीवन में ही पशु संरक्षण आंदोलन में कार्य करना शुरू किया था. सामाजिक मुद्दों पर कई आंदोलनों में उन्होंने भाग लिया.

उसके बाद यूथ कांग्रेस में सक्रिय रहते हुए उन्होंने युवाओं की समस्याओं पर लगातार आवाज उठाई और आंदोलन किए.

कंटेनर की जोरदार टक्कर से 3 व्यक्तियों की घटना स्थल पर मृत्यु

ठाणे. शहर स्थित मुंब्रा बायपास रोड, गावदेवी मंदिर के पास शीलफाटा की ओर तेज गति से जा रहे कंटेनर MH 46 AR 4447 के जोरदार टक्कर से मोटरसाइकिल सवार 3 व्यक्तियों की घटना स्थल पर दर्दनाक मौत हो गई।इस घटना की जानकारी मिलते ही आपदा प्रबंधन, यातायात पुलिस और दमकल विभाग के कर्मचारी दमकल वाहन के साथ घटना स्थल पर पहुंचे।मोटरसाइकिल सवार तीनों लोगों को इलाज के लिए छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल, कलवा में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

एक साल के भीतर ही डबल-डेकर पुल जर्जर

मेट्रो लाईन - 9 के नीचे बनाई गई है पुल

मुंबई. दहिसर–मीरा-भाईंदर मेट्रो लाइन 9 के नीचे बने डबल-डेकर पुल की हालत उद्घाटन के एक साल के भीतर ही खराब हो गई है. अगस्त 2024 में धूमधाम से आम जनता के यातायात के लिए खोले गए इस पुल पर अब जगह - जगह गड्ढे पड़ गए हैं और कई जगहों पर बरसात का पानी जमा हो रहा है. इससे रोज़ाना यातायात करने वाले वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है.

मीरारोड पूर्व के प्लेजेंट पार्क, हाटकेश और सिल्वर पार्क जंक्शन को जोड़ने वाले इस पुल का निर्माण एमएमआरडीए ने यातायात समस्या को हल करने के लिए किया था, लेकिन उद्घाटन के एक साल भी पूरा नहीं होने पर ही पुल की सतह पर बड़े पैमाने पर गड्ढे बन गए हैं. स्थानीय निवासियों का आरोप है कि काम बेहद घटिया स्तर का हुआ है. उनका कहना है कि ठेकेदार सिर्फ पैचिंग कर रहा है, लेकिन गड्ढे भरने के बाद भी दोबारा वे पैच उखड़ कर पुनः गड्ढों में तब्दील हो रहे हैं. स्थानीय निवासी और एड. कृष्णा गुप्ता ने एमएमआरडीए में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए ठेकेदार पर कार्रवाई की मांग की है. गुप्ता का कहना है कि बारिश के दौरान पुल पर पानी जमा हो जाता है, क्योंकि बारिश के पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था ही ठीक से नहीं बनाई गई है. इससे वाहन चालकों को जोखिम उठाना पड़ रहा है.

एमएमआरडीए के वरिष्ठ अधिकारियों ने माना है कि पिछले एक साल में पुल पर गड्ढे पड़े हैं और पानी भी जमा हो रहा है. अधिकारियों के मुताबिक, मानसून के दौरान अस्थायी पैचिंग का काम शुरू कर दिया गया है और बरसात खत्म होने के बाद स्थायी मरम्मत की जाएगी. साथ ही, एक स्वतंत्र सलाहकार को पुल का निरीक्षण करने के लिए नियुक्त किया जाएगा. ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई को लेकर भी उच्च स्तर पर निर्णय लिया जाएगा.

जैकलीन फर्नांडीज को SC से राहत नहीं

200 करोड़ वाले ED केस में जारी रहेगा ऐक्शन

ऐक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज के खिलाफ ईडी की ओर से दर्ज एफआईआर को रद्द करने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया है। अदालत ने सोमवार को उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। ऐक्ट्रेस का कहना है कि उनका सुकेश चंद्रशेखर से कोई लेना देना नहीं है और उनके खिलाफ दर्ज केस को खत्म किया जाना चाहिए। इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट ने अपने आदेश में जैकलीन के खिलाफ दर्ज ईडी की ओर से केस को खारिज करने से इनकार कर दिया था। वहीं सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने फर्नांडीज का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी से कहा, 'हम इस स्तर पर हस्तक्षेप नहीं करेंगे।'

वकील सुमीर सोढ़ी के माध्यम से दायर याचिका में फर्नांडीज ने उच्च न्यायालय के तीन जुलाई के आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी की ओर से दर्ज केस रद्द करने की उनकी याचिका खारिज कर दी गई थी। सुकेश चंद्रशेखर के खिलाफ दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग केस में फर्नांडीज आरोपी हैं और जांच के सिलसिले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष पेश हुई थीं। दिल्ली पुलिस ने चंद्रशेखर पर रैनबैक्सी के पूर्व प्रवर्तकों शिविंदर सिंह और मालविंदर सिंह की पत्नियों से 200 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है।

जैकलीन ने रखा अपना पक्ष...

अदालत में अपना पक्ष रखते हुए जैकलीन ने सभी आरोपों को झूठा बताया और कहा कि उन्हें सुकेश चंद्रशेखर के आपराधिक इतिहास की कोई जानकारी नहीं थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनके खिलाफ ईडी की कार्रवाई दुर्भावनापूर्ण है और वह निर्दोष हैं। पिछले दिनों विवादों से घिरी रही जैकलीन फर्नांडिस अब अपनी नेकदिली से चर्चा में आई हैं। हाल ही में वे एक ऐसे मासूम बच्चे की मदद करने आगे आईं जो दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर से पीड़ित है। मुंबई स्थित समाजसेवी हुसैन मंसूरी द्वारा शेयर किए गए वीडियो में जैकलीन उस बच्चे संग खेलती नजर आईं।

सहायक हेडमास्टर मुख्लिस मदू 'उत्कृष्ट सेवा सम्मान पुरस्कार' से सम्मानित

भिवंडी. हालात साहित्यिक मंच और मखदूमा फाउंडेशन द्वारा रॉयल इंग्लिश स्कूल धामनकरनाका,भिवंडी में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर,जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करने के लिए एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. समारोह में रईस हाईस्कूल एंड जूनियर कॉलेज, भिवंडी के सहायक हेडमास्टर मुख्लिस मदू को उनकी शैक्षणिक, शिक्षण, सामाजिक, सांस्कृतिक और कल्याणकारी सेवाओं और उनके प्रशासनिक प्रदर्शन के लिए 'उत्कृष्ट सेवा सम्मान पुरस्कार'से सम्मानित किया गया. पुरस्कार साहित्यिक

मंच और मखदूमा फाउंडेशन के ज़िम्मेदार सादिक अंसारी, एडवोकेट अमीन खान और प्रिंसिपल ज़ियाउर रहमान अंसारी द्वारा प्रदान किया गया. सम्मान एवं पुरस्कार पर हर्ष व्यक्त करते हुए केएमई सोसायटी प्रबंध समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों,हाईस्कूल एवं जूनियर कॉलेज के चेयरमैन यासर तातली,प्रधानाचार्य जियाउर रहमान अंसारी,उप प्रधानाचार्य आमिर सिद्दीकी,वाईसीएमओयू अध्ययन केंद्र के समन्वयक अब्दुल अजीज अंसारी एवं समस्त स्टाफ ने मुख्लिस मदू को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है.

युवक की गड्ढे में फंसी गाड़ी

विरार. विरार पूर्व के चंदनसर इलाके में एक टैंकर की चपेट में आने से एक दोपहिया सवार की दर्दनाक मौत हो गई. यह घटना सोमवार सुबह करीब 11 बजे हुई. हादसे में मारे गए दोपहिया सवार का नाम प्रताप नाइक (55) वर्ष है. वे विरार के निवासी थे. घट स्थापना के लिए देवी की मूर्ति लाने जाते समय हुई दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई.सोमवार को नवरात्रि का पहला दिन होने के कारण प्रताप नाइक देवी की मूर्ति लाने जा रहे थे. तभी उनके दोपहिया वाहन का पहिया सड़क पर बने एक गड्ढे में फंस गया और वे वाहन समेत गिर पड़े इसी दौरान पीछे से आ रहे एक टैंकर का पहिया उनके ऊपर चढ़ गया और हादसे में उनकी दर्दनाक मौत हो गई.नवरात्रि के पहले दिन हुए इस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे से नागरिकों में हड़कंप मच गया है.

नौपाड़ा में सीसीटीवी कैमरा का खंभा गिरा

ठाणे. शहर के नौपाड़ा इलाके में गोखले रोड पर सोमवार को दोपहर डेढ़ बजे के लगभग एक सीसीटीवी कैमरा का खंभा टूट कर गिर गया. इस दुर्घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है.

मनपा के आपदा प्रबंधन कक्ष से मिली जानकारी के मुताबिक गोखले रोड पर सेनोरिटा ज्वेलर्स शॉप के सामने सीसीटीवी कैमरा का खंभा गिरने की जानकारी मिलने के तुरंत बाद आपदा प्रबंधन कक्ष के कर्मचारी 1 पिकअप वाहन व एम. मैट्रिक स्मार्ट टेक्नोलॉजी कंपनी के कर्मचारी 1 हाइड्रा मशीन के साथ घटना स्थल पर पहुंचे. आपदा प्रबंधन कक्ष के कर्मचारियों और एम. मैट्रिक स्मार्ट टेक्नोलॉजी कंपनी के कर्मचारियों ने हाइड्रा मशीन की मदद से गिरे हुए सीसीटीवी को हटाया.

आम सूचना

मैं श्री राजेंद्र यादवराव गवली सभी को सूचित कर रहा हूं कि ओमी शांती पैलेस, फ्लैट नं. 401, ब्लॉक ए- 716/1432, सह्याद्री नगर, प्रेम नगर टेकड़ी, उल्हासनगर- 5. (टैक्स नं. 53डीआय011488600) उक्त प्रॉपर्टी श्री नीरज कुमार (असिस्टेंट मैनेजर इंडियन बैंक) से सेल एग्रीमेंट दि. 23.4.2025 सी.नं. 2157/2025 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-

श्री राजेंद्र यादवराव गवली

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099